राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 22 नवंबर 2024 वर्ष-7,अंक-296 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोलकाता से पटना जा रही बस पलटी,12 की मौत, 24 घायल

हजारीबाग। कोलकाता से पटना जा रही एक बस गोहहर में पलट गई। इससे 12 यात्रियों की मौत हो गई और 24 घायल हो गए हैं। कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह सड़क हादसा झारखंड के हजारीबाग जिले में गुरुवार तड़के हुआ है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि हादसे के बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोग दुर्घटनाग्रस्त बस से यात्रियों को बाहर निकालने का प्रयास करते दिखे। दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय थाने की पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को आसपास के प्राइवेट क्लिनिकों और सरकारी अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचाया गया है।एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि उन्होंने देखा कि एक बस अचानक अनियंत्रित हो गई और पलट गई। उन्होंने अंदेशा जताया है कि रोड पर कोहरा और धुंध का प्रभाव होने के चलते विजिविलिटी बहुत कम था, जिसके चलते चालक का बस से संतुलन खो बैठा, जिसकी वजह से यह हादसा हुआ है। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि बस की स्पीड ज्यादा दिख रही थी। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख पुकार मच गई। मौके पर पुलिस के पहुंचने के बाद राहत बचाव कार्य शुरू हो पाया।हालांकि अभी तक यह नहीं पता चल पाया है कि हादसे में जान गंवाने वाले बस यात्री कहां के रहने वाले थे।

हिंदुओं को एकजुट करने और भेदभाव मिटाने पद यात्रा पर निकल पड़े बाबा बागेश्वर के प्रमुख धीरेंद्र शास्त्री

छतरपुर। हिंदुओं को एकजुट करने और उनके बीच मौजूद जाति भेदभाव, छुआछूत, अगड़े और पिछड़े का फर्क मिटाने का संदेश लेकर बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने गुरुवार से हिंदू एकता यात्रा का आगाज किया है। लाखों अनुयायियों के साथ धीरेंद्र शास्त्री ने बागेश्वर धाम के बालाजी मंदिर में दर्शन के बाद 9 दिन की पदयात्रा का आगाज किया है। वह छतरपुर से ओरछा तक 1 किलोमीटर की यात्रा निकाल रहे हैं। एक दिन पहले ही बागेश्वर धाम में लाखों लोग उमड़ पड़े। इस यात्रा से दिया जाएगा।वह 9 दिन तक पैदल चलते हुए लोगों के साथ ओरछा तक पहुंचेंगे। ओरछा धाम में 29 नवंबर को यात्रा संपन्न होगी। बागेश्वर सरकार ने ठाना है, भारत को भव्य बनाना है।भेदभाव और छुआछूत को, देखो अब जड़ से मिटाना है। सोए हुए हिंदुओं को जगाना है, जात पात को मिटाना है। समाज जगाओ, भेदभाव मिटाओ। जात पात से तोड़ो नाता, सबके दिल में हो भारत माता। हिंदू हिंदी और हिन्दुस्तान, सब मिल करें देश का ध्यान।इस धरती से अपना नाता, हम सबकी है भारत माता। यात्रा मध्य प्रदेश के अलावा यूपी के मऊरानीपुर जिले भी गुजरेगी।बागेश्वर धाम की ओर से बताया गया है कि यात्रा में देश-विदेश से लाखों लोग शामिल हो रहे हैं।हाथी, घोड़े और भव्य झांकी के साथ लाखों लोग यात्रा के साथ ओरछा तक पैदल यात्रा करेंगे।

आलीशान बीकानेर हाउस की होगी कुर्की, 50 लाख रुपए के विवाद में कोर्ट ने दिया आदेश

नई दिल्ली ।राजस्थान के आलीशान बीकानेर हाउस की कुर्की होगी। दिल्ली की एक अदालत ने 50 लाख रुपए के एक विवाद में बीकानेर हाउस को कुर्क करने का आदेश दिया है। दिल्ली में मौजूद इस आलीशान भवन का मालिकाना हक नोखा म्यूनिसिपल काउंसिल के पास है। विवाद करीब चार साल पुराना है। एक कंपनी को 50.31 लाख रुपये की मध्यस्थता राशि का भुगतान नहीं करने पर कोर्ट ने सख्ती करते हुए कुर्की का आदेश दिया है।जिला जज विद्या प्रकाश ने यह आदेश जारी करते हुए कहा कि नगर पालिका ने पूर्व में जारी कोर्ट के आदेश के मुताबिक, इनवायरो इन्फ्रा इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड को 50,31,512 लाख रुपए का भुगतान नहीं किया।जिला न्यायाधीश ने आदेश पारित करते हुए कहा कि नगर पालिका द्वारा इस वर्ष की शुरुआत में दायर की गई अपील खारिज होने के बाद एनवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में 2020 का मध्यस्थता आदेश अंतिम हो गया है। जज ने 18 सितंबर को पारित आदेश में कहा कि अदालत के निर्देशों का पालन नहीं किया गया।इस बात पर गौर करते हुए कि बार-बार मौका दिए जाने के बावजूद देनदार अपनी संपत्ति का हलफनामा पेश करने के निर्देश का पालन करने में विफल रहा है, अदालत ने डिक्री धारक की ओर से पेश किए गए तर्कों से सहमति जताते हुए पाया कि देनदार की अचल संपत्ति अर्थात बीकानेर हाउस के खिलाफ कुर्की वारंट जारी करने का यह उपयुक्त मामला है।कोर्ट ने नगरपालिका नोखा को इस संपत्ति की बिक्री, उपहार या अन्य किसी रूप में किसी और को ट्रांसफर करने से रोक दिया है।अदालत ने नोखा नगर पालिका के प्रतिनिधि को अगली सुनवाई पर पेश होने को कहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने शीर्ष कैरेबियाई नेताओं से मुलाकात की, द्विपक्षीय सहयोग पर की चर्चा

जॉर्जटाउन (गुयाना)/नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन के अवसर पर कैरेबियाई देशों के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने तथा कई प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। प्रधानमंत्री आज सुबह गुयाना पहुंचे। यह 50 वर्षों से अधिक समय में किसी भारतीय राष्ट्र प्रमुख की पहली गुयाना यात्रा है। उन्होंने बुधवार को दूसरे भारत-कैरेबियाई समुदाय (कैरिकॉम) शिखर सम्मेलन से इतर कैरेबियाई साझेदार देशों के नेताओं से मुलाकात की।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई। राष्ट्रपति का स्वयं भारत के साथ प्रगाढ़ संबंध है।'' दोनों नेताओं ने कौशल विकास, क्षमता निर्माण, कृषि, फार्मास्यूटिकल्स, शिक्षा और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय विकास सहयोग की समीक्षा की।

उन्होंने कहा, ''भारत हमेशा बुनियादी ढांचे, शिपिंग, प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों में गुयाना के लिए एक विश्वसनीय साझेदार रहेगा।'' उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, आपदा रोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन और वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन जैसी पहलों के लिए कैरेबियाई राष्ट्र के समर्थन को ''उल्लेखनीय'' बताया। उन्होंने बारबाडोस की प्रधानमंत्री मिया मोटली से भी मुलाकात की। विदेश मंत्रालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''बैठक में बारबाडोस की प्रधानमंत्री ने कोविड-19 महामारी के दौरान देश की सहायता में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और भारत-बारबाडोस संबंधों के प्रति प्रतिबद्धता को सराहा तथा प्रधानमंत्री को मानद 'ऑर्डर ऑफ फ्रीडम ऑफ बारबाडोस' पुरस्कार से सम्मानित करने के अपनी सरकार के फैसले की घोषणा की।'' यह पुरस्कार 30 नवंबर को बारबाडोस में प्रदान किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा, ''इस उच्च स्तरीय बैठक ने दोनों नेताओं को भारत-बारबाडोस संबंधों में नई जान डालने और उन्हें मजबूत करने का अवसर प्रदान किया, साथ ही स्वास्थ्य एवं फार्मा तथा संयुक्त राष्ट्र में सहयोग सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में जारी सहयोग की समीक्षा की।''

राष्ट्रपति मुर्मु ने दिलाई संजय मूर्ति को कैग पद की शपथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को संजय मूर्ति को भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक (कैग) पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडपम में आयोजित किया गया। मूर्ति ने राष्ट्रपति के समक्ष कैग पद की शपथ ली। समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी मौजूद थे। संजय मूर्ति 1989 बैच के भारतीय प्रशासन सेवा के हिमाचल कैडर के अधिकारी हैं। वह गिरीश चंद्र मुर्मु का स्थान ले रहे हैं, जो 20 नवंबर को कैग के पद से रिटायर हुए हैं।

मोदी को मिला गुयाना, डोमिनिका सर्वोच्च नागरिक सम्मान

जॉर्जटाउन/नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बुधवार को दो कैरेबियाई देशों गुयाना और डोमिनिका ने अपने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से अलंकृत किया। यह पहला अवसर है जब भारत के प्रधानमंत्री को दो देशों द्वारा एक ही दिन अपने-अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा गया है।

स्टेट हाउस में आयोजित एक समारोह में गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफ़ान अली ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को उनकी दूरदर्शी प्रतिभा और वैश्विक मंच पर विकासशील देशों के अधिकारों की वकालत करने के लिए, वैश्विक समुदाय के लिए असाधारण सेवा के लिए और भारत-गुयाना संबंधों को मजबूत करने की उनकी प्रतिबद्धता के लिए गुयाना के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार, 'द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' से सम्मानित किया।

पुरस्कार स्वीकार करते समय प्रधानमंत्री ने इस सम्मान को भारत के लोगों और दोनों देशों के लोगों के बीच गहरे ऐतिहासिक संबंधों को समर्पित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी राजकीय यात्रा भारत-गुयाना मित्रता को गहरा करने की दिशा में भारत की निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी गुयाना के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त करने वाले चौथे विदेशी नेता हैं।

बाद में दूसरे भारत-कैरीकॉम शिखर सम्मेलन के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में डोमिनिका के राष्ट्रपति सिल्वेनी बर्टन ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को उनके राजनीतिक राजनय, कोविड 19 महामारी के दौरान डोमिनिका को समर्थन तथा भारत और डोमिनिका के संबंधों को मजबूत करने की उनकी प्रतिबद्धता के लिए सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार 'डोमिनिका अवार्ड ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया।

इस अवसर पर डोमिनिका के प्रधानमंत्री रूजवेल्ट स्केरिट भी उपस्थित थे। गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. इरफ़ान अली, बारबाडोस के प्रधानमंत्री मिया अमोर मोटली, ग्रेनेडा के प्रधान मंत्री डिकॉन मिशेल, सेंट लूसिया के प्रधानमंत्री फिलिप जे. पियरे, तथा एंटीगुआ एवं बारबुडा के प्रधानमंत्री गैस्टन ब्राउन भी पुरस्कार समारोह में उपस्थित थे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस सम्मान को भारत के लोगों और भारत और डोमिनिका के बीच गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को समर्पित किया। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध बढ़ते और गहरे होते रहेंगे।

45 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं, चक्रवात के चलते इन 11 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली ।देश में एक बार फिर से चक्रवाती तूफान 卐फेंगल卐 दस्तक देने वाला है। भारतीय मौसम विभाग (ढ्ढरूष्ठ) ने बताया है कि इस चक्रवात से कई राज्यों में भारी बारिश और तेज़ हवाएं चलने की संभावना है।इसके साथ ही ढ्ढरूष्ठ ने ऑरेंज और रेड अलर्ट जारी किया है।

चक्रवात का प्रभाव और संभावित स्थिति- हिंद महासागर और दक्षिण अंडमान सागर के पास एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।इसके प्रभाव से 23 नवंबर तक दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र (लो प्रेशर एरिया) बनने की संभावना है। यह धीरे-धीरे पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और अगले 2 दिनों में यह डिप्रेशन में बदल सकता है।इसके बाद यह तमिलनाडु और श्रीलंका के तटीय इलाकों को प्रभावित कर सकता है।

कहां-कहां होगी भारी बारिश?- तमिलनाडु, पुडुचेरी और केरल- 25 नवंबर को भारी बारिश के साथ तेज़ हवाओं और बिजली गिरने की संभावना है।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह- पूरे सप्ताह हल्की से मध्यम बारिश होगी।

असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा- 22 नवंबर को बारिश होने के आसार।

तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश- 25-27 नवंबर के बीच मूसलाधार बारिश का अनुमान।

केरल- 26-27 नवंबर को भारी बारिश का खतरा।

राहुल गांधी ने गिरफ्तारी की उठाई मांग, प्रधानमंत्री पर भी लगाए आरोप

'मोदी-अदाणी एक हैं तो सेफ हैं'

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उद्योगपति गौतम अडानी को हर जगह भ्रष्टाचार में शामिल बताते हुए उनकी गिरफ्तारी की मांग की और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अडानी एक ही हैं इसलिए उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती है।

श्री गांधी ने यहां पार्टी मुख्यालय में गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अडानी के भ्रष्टाचार को लेकर अमेरिकी अभियोजन एजेंसी ने उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। अडानी के भ्रष्टाचार के खिलाफ अमेरिका में कदम उठाए जा रहे हैं लेकिन भारत में उनके विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं होती है।

उन्होंने प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड-सेबी की अध्यक्ष माधवी बुच का भी उल्लेख किया और कहा कि वह भी अडानी से जुड़ी हैं और उनके शेयरों के भाव बढ़ाने में मदद करती हैं इसलिए तमाम आरोपों के बावजूद उनको हटाया नहीं जा रहा है। उन्होंने कहा कि अडानी की कार्रवाई नहीं होने से छोटे निवेशकों को बहुत खतरा है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि उद्योगपति गौतम अडानी ने दो हजार करोड़ रुपए का भ्रष्टाचार किया है और इसकी जांच अमेरिका में हुई लेकिन हिंदुस्तान में उनके खिलाफ कुछ नहीं होता है इसलिए उनको तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए। इस मामले में जो भी शामिल है उसे गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि इस मामले की पूरी पड़ताल होनी चाहिए और इसमें जो भी दोषी पाया जाता है उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि श्री मोदी भ्रष्टाचार में लिप्त इस उद्योगपति के संरक्षक बने हुए हैं और उनके भ्रष्टाचार को बढावा दे रहे हैं इसलिए अडानी के खिलाफ भारत में कोई कार्रवाई नहीं हो सकती है और उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जा सकता क्योंकि श्री मोदी और उनकी सरकार अडानी का बचाव कर रहे हैं। श्री मोदी इसमें शामिल हैं और वह जानते हैं कि यदि अडानी को गिरफ्तार किया गया तो वह भी लपेटे में आएंगे इसलिए इस मामले में कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने इस मामले में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच की मांग दोहराई और कहा कि जेपीसी मामले की जांच करेगी तो दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा और अडानी को गिरफ्तार किया जा सकेगा।

संघर्षों के समाधान के लिए शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के बौद्ध सिद्धांतों को अपनाना आवश्यक है: राजनाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को लाओस में क्षेत्रीय सुरक्षा सम्मेलन में कहा कि दुनिया को अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के समक्ष जारी संघर्षों और चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए बौद्ध सिद्धांतों को अपनाना चाहिए। उन्होंने सम्मेलन में चीन के डोंग जून सहित कई देशों के उनके समकक्षों की उपस्थिति में कहा कि भारत ने जटिल अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के समाधान के लिए हमेशा से संवाद की वकालत की है तथा सीमा विवादों से लेकर व्यापार समझौतों तक, अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों की एक विस्तृत श्रृंखला को लेकर अपना दृष्टिकोण जाहिर किया है। रक्षा मंत्री ने लाओस की राजधानी विएंतियान में 10 देशों के संगठन आसियान समूह और उसके कुछ वार्ता साझेदारों के सम्मेलन में ये टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ''विश्व तेजी से गुटों और खेमों में बंटता जा रहा है, जिससे स्थापित विश्व व्यवस्था पर दबाव बढ़ रहा है। इसलिए समय आ गया है कि शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के बौद्ध सिद्धांतों को सभी लोग और अधिक गहराई से अपनाएं।'' उन्होंने कहा, ''इन सिद्धांतों का पालन करते हुए भारत ने जटिल अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के समाधान के लिए सदैव बातचीत की वकालत की है और इसे अपनाया भी है।''

रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि खुले संवाद और शांतिपूर्ण वार्ता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता, सीमा विवादों सहित कई अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के प्रति उसके दृष्टिकोण से स्पष्ट होती है। उन्होंने आसियान (दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संघ) रक्षा मंत्रियों की बैठक आसियान डिफेंस मिनिस्टर्स मीटिंग प्लस (एडीएमएम-प्लस) समूह के सम्मेलन में कहा, ''खुली बातचीत विश्वास, समझ और सहयोग को बढ़ावा देती है तथा स्थायी साझेदारी की नींव रखती है। बातचीत की ताकत हमेशा प्रभावी साबित हुई है, जिसके ठोस परिणाम सामने आए हैं जो वैश्विक मंच पर स्थिरता और सद्भाव में योगदान करते हैं।'' हिंद-प्रशांत को लेकर भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत क्षेत्र में शांति एवं समृद्धि के लिए आधारशिला के रूप में 10 देशों के आसियान (दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ) की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकारता है।

वायु प्रदूषण तंबाकू से ज्यादा खतरनाक, भारत में रोज होती हैं 5 हजार से ज्यादा मौतें

-पीएम2.5 माइक्रोन कण, दुनियाभर में इसकी सबसे ज्यादा मात्रा भारत में

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में होने वाली हर आठ में से एक मौत वायु प्रदूषण के कारण होती है? वायु प्रदूषण तंबाकू से भी ज्यादा खतरनाक होता है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि 2021 में दुनियाभर में तंबाकू से अनुमानित 75 से 76 लाख मौतें हुई होंगी। जबकि वायु प्रदूषण से 81 लाख मौतें यानी दुनिया में 12 फीसदी मौतों का कारण जहरीली हवा है।

वहीं, दुनियाभर में हर साल एक करोड़ से ज्यादा मौतें हाई ब्लडप्रेशर के कारण होती हैं। इससे चिंता बढ़ रही है कि देश की राजधानी दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्युआई) का स्तर 500 के करीब है यानी एक्युआई गंभीर श्रेणी में है। जब ये गंभीर श्रेणी में आ जाता है तो तंदरुस्त लोग भी बीमार हो सकते हैं। रिपोर्ट बताती है कि सबसे बड़ा रिस्क पीएम2.5 है। पीएम2.5 का मतलब 2.5 माइक्रोन का कण। ये बहुत ही बारीक कण होता है। दुनियाभर में पीएम 2.5 की सबसे ज्यादा मात्रा भारत में ये इंसान के बाल से भी 100 गुना ज्यादा पतला होता है और इतना छोटा है कि नाक और मुंह के जरिए हमारे शरीर में प्रवेश कर जाता है। जैसे ही ये हमारे शरीर में प्रवेश करता है तो दिल और फेफड़ों को प्रभावित करता है।

रिपोर्ट के मुताबिक 2021 में पीएम2.5 के कारण 78 लाख मौतें हुई थीं यानी वायु प्रदूषण के कारण जितनी मौतें हुई थीं उनमें से 96 फीसदी से ज्यादा की वजह यही कण था। इतना ही नहीं वायु प्रदूषण के कारण होने वाली 90 फीसदी से ज्यादा बीमारियों का कारण भी यही छोटा सा कण होता है।

2024 की रिपोर्ट बताती है कि 2021 में मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण जहरीली हवा थी। सबसे ज्यादा खतरा साउथ एशियाई और अफ्रीकी देशों में है। रिपोर्ट से पता चलता है कि 81 लाख मौतों में से 58 फीसदी की वजह वातावरण में मौजूद प्रदूषण था, जबकि 38 फीसदी मौतें घरों के अंदर मौजूद प्रदूषण की वजह से हुई थीं। चिंता की बात यह है कि पांच साल से छोटे बच्चों की मौतों का दूसरा सबसे बड़ा कारण भी वायु प्रदूषण है। इतने छोटे बच्चों की मौतों की सबसे बड़ी वजह है, जबकि वायु प्रदूषण के कारण 2021 में पांच साल से छोटे सात लाख से ज्यादा बच्चों की मौत हुई थी। इतना ही नहीं, साउथ एशिया और अफ्रीकी देशों में जन्म के बाद पहले महीने में होने वाली 30 फीसदी से ज्यादा मौतों का कारण भी जहरीली हवा ही है।

एक अनुमान के मुताबिक भारत में हर साल तंबाकू की वजह से 10 लाख के आसपास लोग मारे जाते हैं जबकि वायु प्रदूषण के कारण 21 लाख लोग मारे गए थे यानी करीब दोगुना। इस हिसाब से भारत में हर महीने औसतन 1.75 लाख और हर दिन 5,753 लोगों की मौत वायु प्रदूषण से होती है।

सिर्फ भारत में ही पांच साल से कम उम्र के 1.69 लाख बच्चों की मौत वायु प्रदूषण के कारण हुई थी। ये आंकड़ा दुनिया में सबसे ज्यादा था। दूसरे नंबर पर नाइजीरिया था, जहां 1.14 लाख बच्चे तो पाकिस्तान में 68 हजार से ज्यादा बच्चों की मौत हुई थीं। रिपोर्ट में बताया गया है कि वायु प्रदूषण के कारण होने वाले अस्थमा 5 से 14 साल की उम्र के बच्चों के स्वास्थ्य पर बुरा असर डालता है। 15 फरवरी 2013 को लंदन में 9 साल की एला किस्सी-डेब्रा की अस्थमा अटैक से मौत हो गई थी। वह दुनिया की पहली इंसान थी, जिनके डेथ सर्टिफिकेट में मौत की वजह वायु प्रदूषण दर्ज था।

रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में सबसे जहरीली हवा साउथ एशियाई देशों में है। वायु प्रदूषण के कारण दुनिया में जितनी मौतें हुई थीं, उनमें आधी से ज्यादा सिर्फ भारत और चीन में हुई थी। चीन में 23 लाख तो भारत में 21 लाख लोगों की मौत का कारण वायु प्रदूषण था। हवा में मौजूद पीएम2.5 सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि इससे बेमौत ही लोग मारे जा रहे हैं और हार्ट डिसीज, लंग कैंसर जैसी बीमारियां बढ़ रही हैं। भारत में हर एक लाख आबादी में से 148 की मौत वायु प्रदूषण से होती है। ये वैश्विक औसत से कहीं ज्यादा है।

पीएम2.5 में नाइट्रेट और सल्फेट एसिड, केमिकल, मेटल और धूल-मिट्टी के कण होते हैं। ये कण इतने छोटे होते हैं कि फेफड़ों में काफी अंदर तक घुस सकते हैं और गंभीर रूप से बीमार कर सकते हैं। इसी साल जनवरी में एक स्टडी सामने आई थी, जिसमें दावा किया गया था कि दुनियाभर में पीएम 2.5 की सबसे ज्यादा मात्रा भारत में है। वहीं, दिल्ली में इसकी मात्रा सबसे ज्यादा है। इस स्टडी में दावा किया गया था कि सर्दी के मौसम में भारत में घर के अंदर की हवा बाहर की हवा से 41फीसदी ज्यादा प्रदूषित होती है। एक स्टडी में बताया गया था कि शहरी इलाकों में वायु प्रदूषण नॉन-स्मोकर्स में लंग कैंसर के खतरे को बढ़ा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक - लुई नील

(लेखक- संजय गोस्वामी)

(जन्मतिथि 22 नवंबर पर विशेष)

लुई नील का जन्म 22 नवंबर 1904 को ल्योन में हुआ था। 1931 में उन्होंने हेलेन हॉवर्थिक से शादी की; उनके तीन बच्चे थे, मैरी फ्रांकोइस, कॉन्सिल डीएटैट में अटैची डीएडमिनिस्ट्रेशन, मार्गुएराइट, गुइली, प्रोफेसर एग्लीज़ डीहिस्टोइरे और पियरे, जिनकी शादी एक टेलीविजन निर्माता से हुई थी। लुई नील ने 1924-1928 तक पेरिस में इकोले नॉर्मले सुप्रीयर में अध्ययन किया, जहां उन्हें 1928 में व्याख्याता नियुक्त किया गया। 1932 में उन्होंने स्ट्रासबर्ग विश्वविद्यालय से डॉक्टर ऑफ साइंस की डिग्री प्राप्त की, जहां उन्हें विज्ञान संकाय में प्रोफेसर नियुक्त किया गया, इस पद पर वे 1937-1945 तक रहे। वह 1945 से ग्रेनोबल में प्रोफेसर थे। 1946 में वे इलेक्ट्रोस्टैटिक्स और धातु भौतिकी प्रयोगशाला (सेंटर नेशनल डे ला रिसर्च साइंटिफ़िक) के निदेशक बने। 1954 से 1970 तक वह इंस्टीट्यूट पॉलिटेक्निक डी ग्रेनोबल और इकोले फ्रांसेइस डी पैपेटेरी के निदेशक थे; 1970 में उन्हें ग्रेनोबल में इंस्टीट्यूट नेशनल पॉलिटेक्निक का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। लुई नील ने चुंबकत्व पर अपना पहला शोध कार्य 1928 और 1939 के बीच स्ट्रासबर्ग में प्रोफेसर वीस की प्रयोगशाला में शुरू किया। 1939 में युद्ध सेवा के लिए बुलाए जाने पर, उन्होंने फ्रांसीसी बेड़े में जहाजों को जर्मन चुंबकीय खदानों से बचाने के लिए काम किया और सुरक्षा की एक प्रभावी नई विधि, न्यूट्रलाइजेशन का आविष्कार किया। यह द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत में जर्मनों द्वारा तटीय जल में गिराया गया पहला मॉडल था। यह वही वास्तविक उपकरण था जो नवंबर 1939 में टेम्स के मुहाने पर कीचड़ के मैदान पर उतरा था और जिसने नील को 1928 में अपना काम शुरू करने के लिए आवश्यक सुराग प्रदान किया था, हाइजेनबर्ग ने चुंबकों के बीच संबंध दिखाया था। ये क्षण इलेक्ट्रॉनों के बीच आदान-प्रदान का परिणाम थे। चुंबकत्व के अध्ययन से आकर्षित होकर, 1928 में उन्होंने स्ट्रासबर्ग में पियरे वीस के साथ काम किया। सहायक पद का प्रस्ताव स्वीकर कर लिया। नील की डॉक्टरेट थीसिस में पहले से ही कुछ धातुओं के निरंतर अनुचुंबकत्व को समझाने के लिए उनके गुरु के लौहचुंबकत्व के आणविक क्षेत्र सिद्धांत का विस्तार करने का विचार शामिल था, जिनके चुंबकीय गुण तापमान से लगभग स्वतंत्र थे। दो असमान और विपरीत रूप से संरेखित चुंबकीय उप-जालों की नीली संरचनाओं वाले फेरिमैग्नेटिक ऑक्साइड का उपयोग अब अधिकांश स्थायी मैग्नेट, रिकॉर्डिंग मीडिया और उच्च-आवृत्ति चुंबकीय सामग्री में किया जाता है। इनमें पुरातात्विक चुम्बक, लॉडस्टोन शामिल हैं। नील की विशेषता घटनात्मक सिद्धांत थी - सरल और हल करने योग्य मॉडल के संदर्भ में जटिल चुंबकीय घटनाओं को समझना जो लिफाफे के पीछे गणना की अनुमति देता था। उनके काम में चुंबकत्व की उत्पत्ति के बारे में कोई गहरी जानकारी नहीं थी; मौलिक भौतिकी 1930 के सोल्वे सम्मेलन के बाद पहले से ही अस्तित्व में थी। नील ने गणितीय विवरणों के बजाय व्यापक भौतिक संदर्भों में घटनाओं को समझने की कोशिश की, विहारेज गार्डन की खेती के बजाय जंगलों का पता लगाना पसंद किया। 1940 के युद्धविराम के बाद, वह ग्रेनोबल चले गए और 1942 के अंत में लेबोरेटोएरे डी इलेक्ट्रोस्टैटिक एट डी फिजिक डू मेटल की स्थापना की, सोवियत सैनिकों को सेंटर नेशनल डे ला रेचेर्चे की बाहरी प्रयोगशालाओं के बीच 1946 में जर्मनी द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला एक संभावित एंटी-टैंक हथियार मिला। वैज्ञानिक बन जाता है इस प्रयोगशाला का तेजी से विस्तार हुआ और नई प्रयोगशालाएँ उत्पन्न हुईं; फिर भी, वर्तमान में इसमें 250 से अधिक कर्मचारी हैं। उन्होंने 1956 से 1970 तक सेंटर डीएट्यूड्स न्यूक्लियर डी ग्रेनोबल के निदेशक के रूप में कार्य किया। 1949 से 1969 तक वे सी.एन.आर.एस. इसके निदेशक मंडल का सदस्य था; 1952 से फ्रांसीसी नौसेना के वैज्ञानिक सलाहकार, वह उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन की वैज्ञानिक समिति में फ्रांसीसी प्रतिनिधि थे, वह एक शिल्पकार थे और फैशन के अनुयायी नहीं थे। एक बार अनातोले अब्राहम से पूछा गया कि उन्होंने लेव लैंडो की भविष्यवाणी के आलोक में एंटीफेरोमैग्नेटिज्म के अपने सिद्धांत पर जोर क्यों दिया कि प्रकृति में केवल फेरोमैग्नेटिज्म ही संभव है, नील ने भगवान को धन्यवाद दिया कि वह इतना चतुर नहीं था। उन्होंने व्यावहारिक मामलों पर ध्यान केंद्रित करना पसंद किया- जहाजों को चुंबकीय खदानों से विनाश से बचाने के लिए डीगॉसिंग करना, और ऑक्साइड नैनोकणों के गुणों के संदर्भ में चट्टानों के प्राकृतिक चुंबकत्व की व्याख्या करना दूरगामी था। इनमें पैलियोमैग्नेटिक डेटा पर आधारित वैश्विक प्लेट टेक्टोनिक्स के सिद्धांत की स्थापना, स्टील्थ बॉम्बर्स का विकास और आधुनिक चुंबकीय-रिकॉर्डिंग उद्योग की नींव शामिल है। उनका नाम कैलिफ़ोर्निया से क्योटो तक चुंबकीय इंजीनियरों के टूलकिट में पाए गए एक दर्जन अवधारणाओं से जुड़ा हुआ है - नीले बिंदु, नीली संरचनाएं, नीली दीवारें, सुपरमैग्नेटिज्म का नीला सिद्धांत, प्रेरित अनिसोट्रॉपी, विनिमय पूर्वाग्रह, नारंगी-शैल युग्मन इत्यादि। अनुसंधान 1956 में लुई नील ने फ्रांसीसी परमाणु ऊर्जा आयोग के हिस्से के रूप में सेंटर डीएट्यूड्स न्यूक्लियर डी ग्रेनोबल बनाया और बाद में विकसित किया। उन्होंने ग्रेनोबल (1967) में फ्रेंको-जर्मन हाई-फ्लक्स रिएक्टर स्थापित करने के निर्णय में योगदान दिया कि परमाणुओं के बीच की दूरी बढ़ने पर युग्मन तेजी से कम हो जाएगा। इस प्रकार नील ने वीस के एकसमान आणविक क्षेत्र को स्थानीयकृत आणविक क्षेत्र से बदलने का निर्णय लिया, जिसे परमाणु पैमाने पर परिभाषित किया गया था और जो समय और स्थान के साथ बदलता रहता है (नीले, 1957)। क्वांटम यांत्रिक दृष्टिकोण अपनाने के बजाय, उन्होंने शास्त्रीय आणविक क्षेत्र सिद्धांत की सरल मान्यताओं को संरक्षित किया। 1932 में प्रकाशित उनके लेख, जो उसी वर्ष की उनकी थीसिस से लिए गए थे, ने इस पद्धति की समृद्ध संभावनाओं को प्रदर्शित किया (नीले, 1932)। इसमें, उन्होंने दिखाया कि थर्मल गड़बड़ी स्थानीय आणविक क्षेत्र में क्षणिक उतार-चढ़ाव पैदा करती है और ये उतार-चढ़ाव दो क्यूरी बिंदुओं की व्याख्या के भीतर हैं। दूसरी ओर, आणविक क्षेत्र में स्थानिक परिवर्तनों के कारण मैग्नेटाइट जैसे फेराइट ठोस समाधानों में क्यूरी बिंदु के ऊपर उत्क्रमण संवेदनशीलता में अतिशयोक्तिपूर्ण परिवर्तन हुआ। फिर भी उसी लेख में, उन्होंने नकारात्मक अंतःक्रियाओं के मामले का अध्ययन किया, जिसमें दिखाया गया कि थर्मल उतार-चढ़ाव कम तापमान पर तापमान-स्वतंत्र पैरामैग्नेटिज्म को जन्म देता है। कुछ साल बाद, उन्होंने अंतरपरमाणु दूरी (नीले, 1936ए) के साथ विनिमय अंतःक्रियाओं की भिन्नता का व्यापक अध्ययन किया और पदार्थ के अधिक कठोर सैद्धांतिक उपचार पर लौट आए। लुईस, इकोले नॉर्मले सुप्रीयर में चार साल के अलावा, जहां उन्होंने 1928 में भौतिकी की कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। एक सरकारी अधिकारी के बेटे, नील ने अपने पिता की फ्रांसीसी प्रांतों और उत्तरी अफ्रीका में पोस्टिंग के बाद इकोले नॉर्मले में प्रवेश की तैयारी के लिए अपने मूल ल्योन वापस भेजे जाने से पहले एक भ्रमणशील बचपन बिताया। 1970 के दशक के मध्य में जब वे ग्रेनोबल में सेवानिवृत्त हुए, तब तक उन्होंने ग्रेनोबल को एक नीरस प्रांतीय बैकवाटर से वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए एक यूरोपीय केंद्र में बदल दिया था। ग्रेनोबल अब एक बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र, एक प्रथम श्रेणी तकनीकी विश्वविद्यालय, सेंटर नेशनल डे ला रिसर्च साइंटिफ़िक के लिए विशेष प्रयोगशालाओं का एक समूह, एक उच्च-प्रवाह न्यूट्रॉन रिएक्टर और एक यूरोपीय सिंक्रोट्रॉन विकिरण स्रोत का दावा करता है। इनकी और कई अन्य की स्थापना, प्रबंधन या प्रचार नील द्वारा किया गया था। अपने कद के एक फ्रांसीसी व्यक्ति के लिए असामान्य रूप से, उन्होंने अपना पूरा करियर पेरिस के बाहर बनाया। एक सहकर्मी के रूप में नोबेल पुरस्कार विजेता जे. एच। वैन वेलेक ने द सेलेक्टेड वर्क्स ऑफ लुईस नील (गॉर्डन एंड ब्रीच, न्यूयॉर्क, 1988) के अंग्रेजी संस्करण की प्रस्तावना में टिप्पणी की- प्लेस डी एलएटोले का नाम बदला जा सकता है, लेकिन क्यूरी प्वाइंट और नील प्वाइंट हमेशा वही रहेंगे। भौतिकी की शब्दावली में शामिल किया जाएगा।हालाँकि उन्होंने निकेल की विशिष्ट ऊष्मा पर कभी-कभी आलोचनात्मक और कठिन शोध जारी रखा, लुई नील ने मुख्य रूप से सैद्धांतिक समस्याओं पर ध्यान केंद्रित किया, जो 150 से अधिक प्रकाशनों का विषय बन गया। एंटीफेरोमैग्नेटिज्म और फेरिमैग्नेटिज्म की अवधारणाओं और उनके परिणामों की खोज के अलावा, जिसके लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया, लुई नील ने कई अन्य समस्याओं का समाधान किया और चुंबकत्व के कई पहलुओं के बारे में हमारा ज्ञान बढ़ाया।

वैज्ञानिक बन जाता है इस प्रयोगशाला का तेजी से विस्तार हुआ और नई प्रयोगशालाएँ उत्पन्न हुईं; फिर भी, वर्तमान में इसमें 250 से अधिक कर्मचारी हैं। उन्होंने 1956 से 1970 तक सेंटर डीएट्यूड्स न्यूक्लियर डी ग्रेनोबल के निदेशक के रूप में कार्य किया। 1949 से 1969 तक वे सी.एन.आर.एस. इसके निदेशक मंडल का सदस्य था; 1952 से फ्रांसीसी नौसेना के वैज्ञानिक सलाहकार, वह उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन की वैज्ञानिक समिति में फ्रांसीसी प्रतिनिधि थे, वह एक शिल्पकार थे और फैशन के अनुयायी नहीं थे।

संपादकीय

विचाराधीन कैदियों का संत्रास

यह तथ्य चिंताजनक है कि भारतीय जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों को रखा जा रहा है। इन कैदियों में 75 प्रतिशत उन कैदियों का है जो विचाराधीन हैं। ऐसे में केंद्रीय गृह मंत्री की वह घोषणा उम्मीद जगाती है जिसमें कहा गया है कि 26 नवंबर को संविधान दिवस तक अपनी अधिकतम सजा की एक तिहाई अवधि काट चुके कैदियों के लिये न्याय सुनिश्चित करने को लेकर सरकार प्रतिबद्ध है। निस्संदेह, इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन यह न्याय सुनिश्चित करने के मार्ग में चुनौतियां बहुत अधिक हैं। विडंबना यह है कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 479 जैसे हालिया विधायी सुधारों के बावजूद प्रणालीगत विसंगतियां बनी हुई हैं। विचाराधीन कैदियों की रिहाई में तेजी लाने के सुप्रीम कोर्ट के रुख ने एक जटिल समस्या के निराकरण की जरूरत को बताया है। दरअसल, नौकरशाही की सुस्त कार्यप्रणाली के चलते जेल में बंद विचाराधीन कैदियों की रिहाई में देरी होती रही है। यही वजह है कि गरीब कैदियों के लिये वित्तीय सहायता के प्रावधान जैसी सहायक योजनाओं के बावजूद क्रियान्वयन असंगत बना हुआ है। जिसके चलते बड़ी संख्या में विचाराधीन कैदी जेलों में बंद हैं। दरअसल, समस्या की जड़ आपराधिक न्याय प्रणाली में निहित रही है। जो सुधारात्मक और पुनर्वास की प्राथमिकताओं वाले न्याय की बजाय दंडात्मक उपायों को प्राथमिकता देती है। वहीं जमानत की शर्तों को उदार बनाने में न्यायिक हिचकिचाहट, पात्र कैदियों की पहचान करने में प्रणालीगत देरी के चलते इस मुद्दे को जटिलता में उलझा देती है। वहीं दूसरी ओर कानूनी सेवा प्राधिकरणों के बजाय जिला कलेक्टरों पर इस योजना की निर्भरता ने इस प्राथमिकता को गौण बना दिया है। दरअसल, जेलों में कैदियों की भीड़ कम करने के लिये देश को प्रतीकात्मक समय सीमा से आगे जाने की जरूरत है। न्याय सुनिश्चित करने के लिये हमें समीक्षा समितियों के माध्यम से पहचान और रिहाई की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना होगा, वहीं सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी इस पहल में शामिल करना आवश्यक है। यद्यपि प्रौद्योगिकी एकीकरण और सुधारों के गृहमंत्री अमित शाह के आश्वासन उम्मीद जगाते हैं, लेकिन क्रियान्वयन में तेजी लाने की जरूरत है। निस्संदेह, प्रणालीगत बाधाओं को दूर करने के लिये न्यायपालिका, कानून प्रवर्तन एजेंसियों तथा नागरिक समाज के प्रतिनिधियों को मिलकर कार्य करना चाहिये। हमें याद रखना जरूरी है कि न्याय मिलने में देरी का होना न केवल कैदियों को न्याय से वंचित करना है बल्कि यह संविधान में निहित व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का भी अतिक्रमण है। निस्संदेह, विचाराधीन कैदियों की दशा में सुधार करना मानवीय गरिमा के प्रति देश की प्रतिबद्धता की परीक्षा भी है। ऐसे में सलाखों के पीछे कैद करीब पांच लाख कैदियों की आवाज को अनसुना नहीं किया जाना चाहिए। यह तार्किक व ठोस कार्रवाई करने का वक्त भी है। तभी विचाराधीन कैदियों को खुली हवा में सांस लेने का मौका मिल सकेगा। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जेलों में जो जरूरत से ज्यादा कैदी भरे हुए हैं उनमें अधिकांश गरीब व वंचित तबके के लोग हैं।

ओवर स्पीडिंग पर नियंत्रण से थमेंगे हादसे

जानलेवा रफ्तार

मधुरेन्द्र सिन्हा

भारत में हर दिन औसतन 400 लोग सड़क दुर्घटनाओं में काल के गाल में समा जाते हैं। इनमें से औसतन 42 बालक होते हैं और 31 किशोर। कई, समय पर चिकित्सा सुविधा न मिल पाने के कारण घटनास्थल पर ही दम तोड़ देते हैं। मौतों के आंकड़ों को कम करने व दुर्घटनाओं को घटाने और एक जिम्मेदार नीति बनाने के लिए देश में कई आयोग बन चुके हैं, लेकिन फिर भी कुछ खास होता दिख नहीं रहा है। इनकी रिपोर्ट धूल खाती दिख रही है। इस दुखद और भयावह स्थिति को राष्ट्रीय महत्व देकर इसके समाधान का युद्धस्तरीय प्रयास होना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है।

इस तरह के हादसों के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें से पहला और सबसे बड़ा कारण है तयशुदा रफ्तार से कहीं ज्यादा रफ्तार से वाहन चलाना। इससे न केवल अपनी जान को खतरा होता है, बल्कि दूसरों की जान भी जोखिम में पड़ जाती है। लापरवाही सबसे बड़ा कारण है। एक गलती अपने अलावा दूसरों पर भी भारी पड़ सकती है। वाहन सही ढंग से न चलाने के अलावा हेल्मेट न पहनना मौत का कारण बनता है। देश में दुर्घटनाओं में मरने वालों में बिना हेल्मेट के चालकों की संख्या सबसे ज्यादा है। मशीनों का फेल हो जाना या टूटी-फूटी सड़कों का होना भी दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय संस्था यूनिसेफ के एक एक्सपर्ट के अनुसार बहुत सारी दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है जैसे कानून का पालन करना तथा दोपहिया वाहन चालकों द्वारा नियमित रूप से हेल्मेट पहनना। अगर वाहन चालक निर्धारित गति से वाहन चलाता है, तो वह दुर्घटनाओं की चपेट में नहीं आता है। ओवर स्पीडिंग जान ले सकती है। दोपहिया सवारों के मामले में यह अक्सर देखा जाता है। यूनिसेफ के मुताबिक, देश में दुर्घटनाओं की संख्या में 10 प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी हो रही है, जो चिंताजनक है।

डब्ल्यूएचओ के विशेषज्ञों के अनुसार भारत की सड़कों पर 30 तरह के वाहन चलते हैं और सभी का अपना तरीका है, और यह सड़कों पर भ्रम पैदा करते हैं। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं में इतने लोगों का बेवजह मरना दुखद तो है, लेकिन इनसे जुड़े विश्वसनीय आंकड़े न होने से ठोस समाधान की दिशा में काम करना मुश्किल है। इस दिशा में कई आयोगों का गठन हुआ ताकि इस दिशा में काम हो सके, लेकिन सरकारों की ओर से कोई खास प्रगति नहीं हुई। ओवर स्पीडिंग के मसले को गंभीरता से देखा जाना चाहिए और उस पर कार्रवाई होनी चाहिए।

दरअसल, आज के नौजवान आवेग में आकर काम करते हैं और वाहन तेज रफ्तार से चलाना उन्हें रोमांचित करता है। देश में सबसे ज्यादा लोग ओवर स्पीडिंग के कारण ही मरते हैं, और दुर्घटनाओं में मरने वालों के 72 प्रतिशत के लिए यही जिम्मेदार है। वाहन चालक ट्रैफिक पुलिस की यह चेतावनी भूल जाते हैं— 'स्पीड थ्रिल्स बट किल्स'। हमारा यही रवैया देश को दुनिया के नक्शे में दुर्घटनाओं और मौतों की संख्या में सबसे ऊंचे नंबर पर पहुंचाने के लिए जिम्मेदार है। हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि थोड़ी-सी सावधानियां, जैसे गति सीमा का पालन करना, सीटबेल्ट पहनना और हेल्मेट का सही इस्तेमाल करना, कई जिंदगियों को बचा सकती हैं।

दुनिया भर में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए संयुक्त राष्ट्र और डब्ल्यूएचओ ने एक दशक की योजना के अंतर्गत कई तरह की सिफारिशें की हैं। इसके तहत भारत सरकार ने भी 2030 तक देश में दुर्घटनाओं की संख्या को 50 प्रतिशत तक घटाने की मंशा रखी है। उल्लेखनीय है कि पश्चिमी देशों ने दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों पर काफी हद तक काबू पा लिया है। भारत में दुनिया के कुल 1 प्रतिशत वाहन हैं, जबकि दुर्घटनाओं में उसकी हिस्सेदारी 11 प्रतिशत की है। भारत में कम उम्र के बच्चों और किशोरों की जान अक्सर खतरे में पड़ जाती है। इसमें गलती दोनों पक्षों की होती है, लेकिन एक पीढ़ी समय से पहले ही खत्म हो जाती है। बच्चे और महिलाएं सड़क पार करते वक्त तेज रफ्तार वाहनों के चपेट में आ जाते हैं। इसके लिए वाहन चालकों के साथ-साथ दोपहिया चालकों को भी शिक्षित करने की जरूरत है। गति सीमा से ऊपर वाहन चलाने वालों के लिए हालांकि कठोर आर्थिक दंड है, लेकिन चालक बाज नहीं आते। देश में सिर्फ गति पर नियंत्रण रखने से ही बड़े पैमाने पर दुर्घटनाओं से मुक्ति मिल सकती है। देश में 15 तरह के विभाग हैं जो सड़क सुरक्षा की दिशा में देखते और काम करते हैं, लेकिन कोई खास सफलता नहीं मिल पाई है। यहां पर रोड सेफ्टी पर बजट की बात भी उठती है। इसके लिए विभिन्न राज्यों में कोई निश्चित बजट नहीं है और न ही कोई योजनाबद्ध तरीके से उसका आवंटन है। हर विभाग के अपने-अपने बजट हैं, जो वे इस पर खर्च करते हैं, जिससे कोई प्रभावी कदम नहीं उठ पाते हैं। अभी बहुत सारे एंबुलेंस और अस्पताल चाहिए ताकि दुर्घटनाओं में घायल को सही समय पर इलाज मिल सके।

कुछ राज्यों ने इस दिशा में मुहिम चलाकर इस दिशा में सफलता पाई है। इसमें तेलंगाना और गुजरात ने कई तरह के प्रयोग किए हैं, जिससे मृत्यु दर में कमी भी आई है। तेलंगाना ने इस दिशा में पहल करते हुए पिछले साल 74 लोगों को मरने से बचाया। उन्होंने इसके लिए बच्चों को ट्रैफिक ट्रेनिंग देने जैसे काम किए, जिनका दूरगामी असर पड़ेगा।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

(चिंतन-मनन)

उपाय भी ठीक हो

उपाय सम्यप् होना चाहिए। उपाय का बड़ा महत्व होता है। जहां समस्या आती है, आदमी उपाय खोजता है। समाधान तब तक नहीं होता, जब तक उपाय नहीं मिल जाए। उपाय स्वयं भी खोजा जा सकता है और उपाय खोजने के लिए गुरू की शरण या उस विषय को जानने वाले व्यक्ति की शरण भी ली जा सकती है।

कोई संन्यासी था। भीड़ बहुत होती। सभी संन्यासी अपरिग्रही नहीं होते। कुछ संन्यासी बहुत परिग्रह भी रखते हैं। यह अपनी-अपनी परम्परा है। बड़ा आश्रम था। बहुत धन और बहुत लोगों की भीड़। वह परेशान हो गया। गुरू के पास जाकर बोला, गुरूदेव! और तो सब ठीक है, पर एक बड़ी समस्या है। भीड़ बहुत हो जाती है, इतने लोग आते हैं कि मैं अपनी साधना पूरी तरह नहीं कर पाता, समय नहीं मिलता। रात-दिन चप्र-सा चलता है। गुरू ने कहा, तुम एक काम करो, गरीब लोग आएं तो उनको कर्ज देना शुरू कर दो और जो धनवान लोग आएं।

तो उनसे मांगना शुरू कर दो। उपाय हाथ में लग गया। उसने प्रयोग करना शुरू कर दिया- जो निर्धन आते, उन्हें कर्ज देना शुरू किया और धनी आते उनसे धन मांगना शुरू किया। पांच-दस दिन में भीड़ बिल्कुल छंट गई। क्योंकि जिन्होंने कर्ज लिया वे वापस किसलिए आते? सामने आना नहीं चाहते थे, क्योंकि वापस तो देना नहीं था- धनियों से मांगना शुरू किया तो उन लोगों ने सोचा कि अब तो जाना ठीक नहीं है। जाते ही पहले यह होगा कि लाओ-लाओ। भीड़ कम हो गई। उपाय ठीक मिलता है तो दोनों बातें हो जाती हैं। हमारे हाथ उपाय लगना चाहिए।

विचार मंथन

अडानी पर लटकती तलबार और दागदार होती सरकार

(लेखक - डॉ. हिदायत अहमद खान)

एक तरफ विश्वगुरु बनने की दहलीज पर खड़े भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुयाना में सर्वोच्च सम्मान से नवाजे जा रहे हैं तो दूसरी तरफ अडानी मामले ने देश की नाक कटाने जैसा संदेश दे दिया है। इसकी जांच और हकीकत जल्द से जल्द सामने आना चाहिए, क्योंकि इस पूरे मामले में देशवासियों के विश्वास का मामला भी जुड़ता है। दरअसल भारत के मशहूर उद्योगपति गौतम अडानी पर अमेरिका में अरबों डॉलर की रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। अमेरिका की कोर्ट ने इस मामले में अडानी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी कर दिया है, जिसे लेकर विपक्ष पीएम मोदी पर सीधे हमलावर है। इस मामले में गौतम अडानी और सात अन्य लोगों पर अरबों डॉलर की रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी को लेकर अमेरिका की कोर्ट में सुनवाई हुई है। खास बात यह है कि मामला जैसे ही उजागर हुआ अडानी समूह ने अमेरिका में 600 मिलियन डॉलर का बॉन्ड रद्द कर दिया। इस मामले का असर भारत के शेयर बाजार में गुरुवार को देखने को मिला, जबकि मार्केट में भारी गिरावट दर्ज की गई। यही नहीं अमेरिकी अदालत की तरफ से रिश्वतखोरी के आरोपों के बाद नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने भी अडानी समूह की कंपनियों से सफाई मांगी है। इससे पहले अडानी मामले को लेकर जारी की गई एक रिपोर्ट में बताया गया कि अभियोजकों ने बुधवार को आरोपों की घोषणा की। इसके मुताबिक अडानी समूह ने सोलर एनर्जी कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को रिश्वत दी थी। अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग में दर्ज मामले के अनुसार, गौतम अडानी पर कथित रूप से अमेरिकी निवेशकों को धोखा देने और अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप है। अभियोग में कहा गया है कि अडानी और अन्य ने करीब 265 मिलियन डॉलर भारतीय रुपये में करीब 2237 करोड़ की रिश्वत दी। उन्हें उम्मीद थी कि कॉन्ट्रैक्ट मिलने से दो दशक में करीब 2 बिलियन डॉलर यानी करीब 16882 करोड़ रुपये का मुनाफा मिल जाएगा। अब इस मामले को लेकर देश में राजनीति गरमा गई है। विपक्ष ने तो अडानी के बहाने प्रधानमंत्री मोदी पर ही सीधे निशाना साधना शुरु कर दिया है। कांग्रेस का आरोप है कि जब इस मामले की जांच शुरु हुई तो इसे रोकने की साजिश भी रची गई। कांग्रेस का कहना है कि यह अजीब बात है कि कांग्रेस लगातार अडानी और इससे जुड़े घपलों की जांच की बात कह रही है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी पूरी ताकत से अडानी को बचाने में लगे हुए हैं। इसकी वजह भी साफ है कि अडानी की जांच होगी तो हर कड़ी पीएम मोदी से जुड़ती हुई दिखाई देगी। इस मामले में सबसे बड़ा हमला कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने यह कहते हुए किया है कि देश में मुख्यमंत्री को तो जेल भेजा जा रहा है, लेकिन अडानी का कुछ नहीं हो रहा है। क्योंकि ये बिजनेसमैन पीएम मोदी का पूरा समर्थन करते हैं। इसलिए पीएम मोदी भी लगातार इन्हें बचा रहे हैं। इसी के साथ राहुल गांधी ने मांग करते हुए कहा है कि अडानी को गिरफ्तार किया जाए, लेकिन वो जानते हैं कि उन्हें अरेस्ट नहीं किया जाएगा। इसी के साथ पीएम मोदी को अडानी के कंट्रोल में होने जैसा गंभीर आरोप भी लगाया और कहा कि इस मुद्दे को वो संसद में उठाएंगे। इसी के साथ जिस भी राज्य सरकारों का अडानी ग्रुप के साथ समझौता हुआ है, उसकी जांच भी होनी चाहिए। राहुल गांधी ने इस मामले में जेपीसी से जांच कराए जाने की भी मांग की है। बहरहाल राहुल गांधी यह भी कहते हैं कि अडानी के भ्रष्टाचार की बात हम नहीं कर रहे, बल्कि ये अमेरिकी एजेंसी ने अपनी जांच में बातें कही हैं। अब जो भी दोषी पाया जाता है, उसे सजा मिलनी ही चाहिए। देश और दुनिया के प्रमुख उद्योगपति गौतम अडानी मामले ने सत्ता पक्ष को बिचलित करने जैसा काम कर दिया है, वहीं विपक्ष को मानों संजीवनी मिल गई है। कांग्रेस नेता तो सीधे अडानी के खिलाफ जारी वारंट का जिक्र कर पीएम मोदी को घेरने में लगे हैं। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि पहले से ही केंद्र सरकार और अडानी में गहरी सांठगांठ के आरोप लगते रहे हैं, जिसका समय रहते माकूल जवाब भी नहीं दिया गया। अब कांग्रेस के हमलों पर बीजेपी ने भी पलटवार करना शुरु कर दिया है। बीजेपी नेताओं का इस मामले में कहना है कि आरोप लगाने से पहले पढ़ लेना चाहिए। अनावश्यक उत्साहित होने की आवश्यकता नहीं है। यह तो सभी जानते हैं कि अब ऐसे समय में जबकि अमेरिका से लेकर भारत तक अडानी मामले ने राजनीति को मथ कर रख दिया है, कोई क्योंकर इसका बारीकी से अध्ययन करने की जेहमत करेगा।

संक्षिप्त समाचार

सुमित वुड्स लिमिटेडने क्यू2 एफवाय25 में एकीकृत शुद्ध लाभ में 171 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी

मुंबई , एजेसी। सुमित वुड्स लिमिटेड जो उच्च गुणवत्ता वाले आवासीय और सामुदायिक स्थानों के निर्माण में समर्पित है, ने क्यू2 एफवाय25 के लिए अपने अप्रत्यक्ष वित्तीय परिणामों की घोषणा की। सुमित वुड्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री मिताराम जांगिड ने कहा, मुझे यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि हमने इस तिमाही के लिए वित्तीय परिणामों की घोषणा की है, जो हमारी केंद्रित रणनीति और प्रमुख प्रकल्पों में निरंतर सफलता को दर्शाता है। हमारी आय और लाभ में वृद्धि सुमित अतुल्यम जैसे रणनीतिक प्रकल्पों की सफलता के परिणामस्वरूप हुई है, और प्रभादेवी और दत्तानी ट्रेड सेंटर में हमारे नए प्रकल्पों के आसपास सकारात्मक घटनाक्रमों के कारण हुई है। ये मील के पत्थर यह दर्शाते हैं कि हम लगातार मूल्य सृजन करने और वृद्धि के लिए नए अवसरों को खोलने में सक्षम हैं। प्रमुख प्रकल्पों की समाप्ति और आर्केन्सिएल के लिए ऑक्युपन्सी सर्टिफिकेट और सुमित चस्र्क्र परम के लिए पंजीकरण प्रमाणपत्र जैसे महत्वपूर्ण अनुमोदनों की प्राप्ति यह साबित करती है कि हम समय पर गुणवत्ता वाले प्रकल्प देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रभादेवी और दत्तानी जैसे उच्च-मूल्य पुनर्विकास प्रकल्पों के लिए विकसक के रूप में चयन होना रियल एस्टेट क्षेत्र में हमारी अग्रणी स्थिति को और मजबूत करता है।

फैंटम डिजिटल इफेक्ट्स लिमिटेड ने वित्तीय परिणामों की घोषणा की

चेन्नई, एजेसी। फैंटम डिजिटल इफेक्ट्स लिमिटेड एक क्रिएटिव विजुअल इफेक्ट्स स्टूडियो, ने एच1 एफवाय 2024-25 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। वित्तीय प्रदर्शन पर टिप्पणी÷ फैंटम डिजिटल इफेक्ट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, श्री बेजॉय अर्पुथराज ने कहा, फैंटमएफएक्स में हमने जो उल्लेखनीय प्रगति और वृद्धि हासिल की है, उस पर मुझे अत्यधिक गर्व है। इस छमाही में कंपनी के लिए एक परिवर्तनकारी समय रहा है, जिसमें राजस्व में 92 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह 79 करोड़ तक पहुंच गया है– जिसमें से 35 करोड़ एच1 में प्राप्त हुए, जबकि शेष 44 करोड़ की बिलिंग ॥2 में अपेक्षित है। हम एफवाय 23-24 के हमारे प्रदर्शन के अनुरूप सतत परिचालन मार्जिन बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं।

इंस्पायर फिल्म्स ने एच1 एफवाय25 के परिणामों की घोषणा की

मुंबई , एजेसी। इंस्पायर फिल्म्स लिमिटेड जो कि एक प्रमुख कंटेंट क्रिएशन और प्रोडक्शन कंपनी है, ने एच1 एफवाय25 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। 20-एपिसोड रोमांस ड्रामा के लिए वैश्विक ओटीटी सौदा प्राप्त÷ डिजिटल मनोरंजन में रणनीतिक विस्तार, एक बेस्टसेलिंग उपन्यास की लोकप्रियता का लाभ उठाकर वैश्विक दर्शकों तक पहुंचने की कोशिश। भारतीय प्रसारण नेटवर्क के साथ प्रमुख वितरण सौदा÷ एक प्रमुख जीईसी पर प्रसारित होने वाली तीन वेब श्रृंखलाएं, विविध शैली की पेशकशों के माध्यम से इंस्पायर फिल्म्स के राजस्व और दर्शकों के आधार को बढ़ाएंगी। फ्रेश मिंट भारत की युवा पीढ़ी को संबंधित कहानियों और विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्मों पर नए राजस्व अवसरों के साथ लक्षित करता है।

टाटा पावर ने पड़ोसी देश की कंपनी से की डील, क्लीन एनर्जी पर मिलकर करेंगे काम

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा पावर ने भूटान में 5,000 मेगावाट की क्लीन एनर्जी कैपिसिटी के डेवलपमेंट के लिए एक बड़ी डील की है। यह डील भूटान की कंपनी ड्रुक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (डीजीपीसी) के साथ की गई है। बता दें कि डीजीपीसी, ड्रुक होल्डिंग एंड इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड की सब्सिडयरी है। यह भूटान की एकमात्र बिजली उत्पादन कंपनी है।

टाटा पावर ने कहा कि यह एशिया के क्लीन एनर्जी सेक्टर में दोनों देशों की दो प्रमुख बिजली कंपनियों के बीच सबसे बड़ी साझेदारी है। इस डील के तहत कम-से-कम 5,000 मेगावाट की रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट विकसित की जाएंगी। इसमें 1,125 मेगावाट क्षमता की डोरजिलुंग जलविद्युत परियोजना सहित 4,500 मेगावाट क्षमता की जलविद्युत परियोजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा, टाटा पावर की सब्सिडयरी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड 500 मेगावाट की

सोलर प्रोजेक्ट्स (टीपीआरईएल) विकसित करेगी।

टाटा पावर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक प्रवीर सिन्हा ने कहा- टाटा पावर की ड्रुक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन के साथ साझेदारी क्षेत्र में पसंदीदा क्लीन एनर्जी प्रोजेक्ट के रूप में हमारी साख को मजबूत करती है। हम मिलकर 5,000 मेगावाट की क्लीन एनर्जी कैपिसिटी सृजित करेंगे। यह पार्टनरशिप भूटान की जलविद्युत क्षमता का उपयोग करने में मदद करेगी और भरोसेमंद तथा 24 घंटे क्लीन एनर्जी आपूर्ति के जरिये दोनों देशों की बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करेगी।

बता दें कि टाटा पावर का 2008 से डीजीपीसी के साथ एक लंबे समय से संबंध रहा है। उस समय दोनों कंपनियां भूटान के जलविद्युत क्षेत्र में पहली सार्वजनिक-निजी भागीदारी के रूप में 126 मेगावाट क्षमता की दगाछू जलविद्युत संयंत्र को सफलतापूर्वक विकसित करने के लिए साथ आई थीं। टाटा पावर के पास 1,200 किलोमीटर लंबी टाला ट्रांसमिशन लाइन परियोजना भी है। कंपनी इसके जरिये भूटान से भारत तक स्वच्छ बिजली पहुंचाती है।

टाटा पावर के शेयर का हाल

बीते कुछ समय से टाटा पावर के शेयर में उतार-चढ़ाव का माहौल है। सप्ताह के तीसरे दिन बुधवार को टाटा पावर के शेयर 0.83 प्रतिशत बढ़कर 408.10 रुपये पर बंद हुए। ट्रेडिंग के दौरान शेयर की कीमत 417.80 रुपये पर पहुंच गए। 27 सितंबर 2024 में शेयर की कीमत 494.85 रुपये के स्तर तक पहुंच गई। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है।

''एक घर मकान से कहीं बढ़कर होता है''– 'मिलियन डॉलर लिस्टिंग इंडिया' में अपने सपनों का घर खोज रहीं हैं आस्था गिल

मुंबई , एजेसी। पॉप म्यूजिक की बेहद टैलेंटेड सनसनी आस्था गिल अपने सपनों का घर खरीदने के मिशन पर है। इस मिशन में उन्हें अपने दर्शकों का साथ भी मिल रहा है, क्योंकि उसका चुनाव वह सोनी लिव के शो 'मिलियन डॉलर लिस्टिंग इंडिया' में कर रही हैं। यह सिंगर-सॉन्गराइटर, जोकि अपने चार्ट-टॉपिंग हिट्स के लिये मशहूर है, अब लक्जरी रियल एस्टेट की दुनिया की खोज कर रही हैं। उन्हें अपने सपनों के घर की डील पक्की होने की पूरी उम्मीद है। आस्था ने रोमांचित होकर कहा, ''घर सिर्फ वह चार दीवारें नहीं हैं, जिन पर छत टिकी होती है। घर में यादें बनती हैं और वह प्यार तथा सुख देने वाला एक स्वर्ग होता है। मैं अपने लिये परफेक्ट जगह, यानि सपनों के घर की तलाश में हूँ। और 'मिलियन डॉलर लिस्टिंग इंडिया' ने मेरे पूरे अनुभव को निजी और शानदार एहसास दिया है। मुझे लगा ही नहीं कि मैं किसी शो में हूँ; ऐसा लगा जैसे मैं असल में इन बेहतरीन घरों का दौरा कर रही हूँ। मैं जल्दी से जल्दी अपनी माँ को यह शानदार घर दिखाकर उनकी प्रतिक्रिया देखना चाहती हूँ।''

घरों में सोच-समझकर तैयार की गई हर चीज़ और स्टोरेज के शानदार समाधानों ने आस्था को खासतौर पर आकर्षित किया। उन्होंने रियल्टर नवदीप की भी जमकर तारीफ की, जिनकी विशेषज्ञता और अपनेपन ने आस्था पर गहरा असर डाला। ''शो में निजी तौर पर नवदीप के काम को देखना प्रेरक रहा- मैं पहले से कहीं ज्यादा प्रभावित हूँ!''

भारतीय स्टेट बैंक ने अपनी प्रतिष्ठित शाखा की शताब्दी विरासत और उत्कृष्टता का जश्न मनाया

मुंबई , एजेसी। भारतीय स्टेट बैंक की समृद्ध विरासत का सम्मान करते हुए, भारत की माननीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री, श्रीमती निर्मला सीतारमण ने एसबीआई की प्रतिष्ठित हॉर्निमैन सर्किल शाखा की शताब्दी के उपलक्ष्य में विशेष रूप से ढाले गए 100 के स्मारक सिक्के का अनावरण किया। सिक्के के लॉन्च के साथ-साथ, उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक के विकास के 5वें संस्करण का भी अनावरण किया, जिसमें 1981 से 1996 के बीच बैंक की यात्रा के परिवर्तनकारी युग का वर्णन किया गया है। इस कार्यक्रम में वित्तीय सेवा विभाग के सचिव, श्री एम. नागराजू सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस अवसर पर वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री, निरमला सीतारमण ने कहा, एसबीआई की उल्लेखनीय यात्रा, जो अपनी प्रतिष्ठित शाखा के शताब्दी समारोह के साथ समाप्त हो रही है, विकास और सेवा की एक असाधारण विरासत को दर्शाती है। 1920 के विलय के समय 100 शाखाओं से लेकर आज 22,640+ शाखाओं तक, वित्त वर्ष 2025 में 500 और जोड़ने की योजना के साथ, एसबीआई अपनी पहुंच का विस्तार करना जारी रखता है। एसबीआई का योगदान आंकड़ों से कहीं आगे जाता है - इसने अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक को अपनाकर और वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करके भारत के बैंकिंग परिदृश्य को बदल दिया है। परंपरा को आधुनिकता से जोड़ने की इसकी यात्रा विरासत शाखाओं के संरक्षण में परिलक्षित होती है, जबकि इसके प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म, जैसे कि योनो, वैश्विक मंच पर भारत की फिनटेक क्षमताओं को प्रदर्शित करते हैं।

25 नवंबर से खुल रहा है पावर कंपनी का यह आईपीओ

अभी से ही 50 प्रीमियम पर पहुंचा शेयर, चेक करें प्राइस बैंड

नई दिल्ली, एजेंसी। इनिशियल पब्लिक आफरिंग यानी आईपीओ में दांव लगाने वालों के लिए एक और मौका आ रहा है। अगले सप्ताह से एक एसएमई कंपनी का आईपीओ निवेश के लिए ओपन होगा। यह आईपीओ - अहमदाबाद स्थित राजेश पावर सर्विसेज लिमिटेड का है। कंपनी का यह इश्यू 25 नवंबर को निवेश के लिए खुलेगा और 27 नवंबर को बंद होगा। इसके लिए प्राइस बैंड 335 रुपये तय किया गया है। ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर अभी से ही 50 रुपये प्रीमियम पर उपलब्ध हैं। इसका मतलब है कि यह शेयर लिस्टिंग पर 15 प्रतिशत तक का मुनाफा करा सकता है। 1971 की इस कंपनी के पास 160.47 करोड़ रुपये का बुक बिल्ट इश्यू है। ऑफर का फेस वैल्यू प्रति शेयर 10 रुपये है। इश्यू का प्राइस बैंड 320 रुपये से 335 रुपये प्रति शेयर है। सार्वजनिक पेशकश का लॉट आकार 400 शेयरों का है। यह आईपीओ 2,790,000 शेयरों का एक बिल्कुल फ्रेश इश्यू है। यह ताजा इश्यू 93.47 करोड़ रुपये बनता है। आवंटन की संभावित तारीख गुरुवार, 28 नवंबर है। रिफंड की शुरुआत उसी सप्ताह, शुक्रवार, 29 नवंबर को होगी। शेयर शुक्रवार, 29 नवंबर को निवेशकों के डीमैट खातों में जमा किए जाएंगे। 2 दिसंबर को लिस्टिंग होने का अनुमान है। करीबन 53 सालों के इतिहास के साथ राजेश पावर सर्विसेज लिमिटेड राज्य ट्रांसमिशन और वितरण कंपनियों और निजी उपयोगिताओं, उद्योगों, भूमिगत बिजली ट्रांसमिशन और बुनियादी ढांचे ईपीसी क्षेत्र को परामर्श प्रदान करता है।

फिनो बैंक ने घरेलू बचत को बढ़ावा देने के लिए "गुल्लक" बचत खाते का अनावरण किया

रीवा । बैंकिंग को आसान, सरल और सुविधाजनक बनाने के बाद, फिनो पेमेंट्स बैंक अब ग्राहकों की बचत बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। ग्राहकों के लिए अधिक मूल्य बनाने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए, फिनो बैंक ने आज ÷गुल्लक÷ नामक एक नया बचत खाता का अनावरण करने की घोषणा की है, जो ग्राहकों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कई लाभ प्रदान करता है और उनकी बचत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाया गया है। कोई भी व्यक्ति फिनो बैंक के मध्य प्रदेश राज्य में फैले लगभग 87000 मर्चेंट पॉइंट्स पर जाकर गुल्लक खाता खोल सकता है और इसके लाभों का आनंद ले सकता है। केवल 1000 रुपये के न्यूनतम बैलेंस के साथ, गुल्लक खाताधारक को कोई वार्षिक योजना शुल्क नहीं देना होगा, उन्हें नकद जमा करने पर कोई चार्ज नहीं लगेगा, गैर-मेट्रो स्थानों में 7 मुफ्त एटीएम ट्रांजेक्शन का लाभ मिलेगा और रुपे (ऋह्वश्चड्ढ4) डेबिट कार्ड पर विशेष ऑफ़र मिलेंगे। एक रोमांचक सुविधा यह है कि कुछ शर्तें पूरी करने पर न्यूनतम बैलेंस की आवश्यकता भी माफ की जा सकती है।

लिस्टिंग के साथ ही कल इन निवेशकों को होगा 5 गुना तक फायदा!

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रक ऑपरेटरों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस के शेयर 21 नवंबर यानी कल गुरुवार को स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्ट होने के लिए तैयार हैं। कंपनी के इश्यू को तीन दिन में 1.86 गुना सब्सक्राइब किया गया। इस 1,115 करोड़ रुपये के आईपीओ का प्राइस बैंड 259-273 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी के शेयरों की पॉजिटिव लिस्टिंग की उम्मीद है। इसी के साथ शुरुआती निवेशकों को इससे पांच गुना तक का तगड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है।

क्या है डिटेल

जिंका के शुरुआती निवेशकों में क्विकराउट्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड शामिल है, जिसने 2015 में 52.04 रुपये प्रति शेयर की औसत अधिग्रहण लागत पर निवेश किया था। इसके अलावा अन्य एक्सेल इंडिया (2015 में 62.71 रुपये), सैंड्स कैपिटल (132.09 रुपये), इंटरनेट फंड पीटीई (69.07 रुपये) और पीक ङ्गङ्क (2018 में 308.98 रुपये) ने निवेश किया था

एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, शेयर बिक्री में 4,19,40,018 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं, जबकि बिक्री के लिए 2,25,67,270 शेयरों की पेशकश की गई थी। क्यूआईबी के हिस्से को 2.76 गुना सब्सक्रिप्शन मिला, जबकि रिटेल निवेशकों की कैटेगरी को 1.65 गुना सब्सक्राइब किया गया था। गैर-संस्थागत निवेशकों के कोटा को 24 प्रतिशत सब्सक्राइब किया गया था। जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड ने मंगलवार को एंकर निवेशकों से 501 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए थे। 13 से 18 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था।

ईएसआईसी से जुड़े 20.58 लाख श्रमिक, पहली बार नौकरी पाने वालों में युवाओं की अच्छी संख्या

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों से पता चलता है कि सितंबर में कर्मचारी राज्य बीमा निगम से 20.58 लाख नए श्रमिक जुड़े हैं। इनमें 10.5 लाख युवा हैं, जिनकी उम्र 25 वर्ष से कम है। इस लिहाज से माना जा सकता है कि पहली बार नौकरी पाने वालों में युवाओं की संख्या भी काफी अच्छी रही है। युवाओं की संख्या कुल रजिस्टर्ड हुए श्रमिकों की संख्या का 48.83 प्रतिशत है।

बीते वर्ष की समान अवधि में 18.88 लाख श्रमिक ईएसआईसी में रजिस्टर हुए थे। इस लिहाज से सालाना आधार पर भी 1.70 लाख श्रमिकों की संख्या बढ़ी है। महिलाओं के हिसाब से देखा जाए तो सितंबर में 3.91 लाख महिलाएं ईएसआईसी में रजिस्टर हुई हैं, जिनमें बड़ी संख्या उन युवा

महिलाओं की है जिन्होंने पहली बार नौकरी शुरू की है। वहीं, 64 ट्रांसजेंडर कर्मचारियों ने भी ईएसआई योजना के तहत रजिस्ट्रेशन कराया है।

ध्यान रहे कि ऐसे कर्मचारी, जिनका मासिक वेतन 21 हजार रुपये से कम हो वो सभी कर्मचारी ईएसआईसी से जुड़ने के पात्र होते हैं। ईएसआईसी से जुड़ने वाले संगठित क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों को सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जाती है। साथ ही, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को चिकित्सा देखभाल की सुविधा भी प्रदान की जाती है।

बैटरी, चार्जिंग सेवा पर जीएसटी दर कम हों

इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के लिए बैटरी और चार्जिंग सेवाओं पर जीएसटी कम करने की जरूरत है। उद्योग मंडल फिक्की इलेक्ट्रिक वाहन समिति की चेयरपर्सन सुलज्जा फिरोदिया मोटवानी ने ईवी पर फिक्की के राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर बिजलीचालित वाहनों की बिक्री बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री ई-ड्राइव कोष को बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, ईवी पर पांच प्रतिशत जीएसटी लगता है, जबकि बैटरी पर 18 प्रतिशत जीएसटी है। इसे घटाकर पांच प्रतिशत किया जाए, ताकि जब उपभोक्ता बैटरी बदले तो यह अधिक किफायती हो।

6 महीने में 565 प्रतिशत चढ़ गया यह शेयर, अब बोनस शेयर बांटने की तैयारी में कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। टेक्सटाइल प्रॉडक्ट्स बिजनेस से जुड़ी कंपनी पदम कॉटन यार्न्स अपने शेयरहोल्डर्स को बोनस शेयर का तोहफा देने की तैयारी में है। कंपनी की बोर्ड बैठक 27 नवंबर 2024 को होनी है। इस मीटिंग में ही पदम कॉटन यार्न्स का बोर्ड बोनस शेयर जारी करने पर विचार करेगा। बोनस शेयर इश्यू किए जाने से पहले मंगलवार को पदम कॉटन यार्न्स के शेयर बीएसइ में 2 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 213.30 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों ने मंगलवार को 52 हफ्ते का अपना नया हाई भी बनाया है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 32.02 रुपये है।

6 महीने में 565 प्रतिशत उछल गए कंपनी के शेयर

पदम कॉटन यार्न्स के शेयर पिछले 6 महीने में 565 पर्सेंट से ज्यादा उछल गए हैं। टेक्सटाइल प्रॉडक्ट्स बिजनेस से जुड़ी कंपनी पदम कॉटन यार्न्स के शेयर 21 मई 2024 को 32.06 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 19 नवंबर 2024 को 213.30 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले 3 महीने में पदम कॉटन यार्न्स के शेयरों में 270 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर 19 अगस्त 2024 को 57.73 रुपये पर थे। टेक्सटाइल कंपनी के शेयर 19 नवंबर 2024 को 213 रुपये के ऊपर बंद हुए हैं।

3 साल में कंपनी के शेयरों में 2400 प्रतिशत से अधिक की तेजी

पदम कॉटन यार्न्स के शेयरों में पिछले 3 साल में 2403 पर्सेंट का जबरदस्त उछाल आया है। कंपनी के शेयर 18 नवंबर 2021 को 8.52 रुपये पर थे। पदम कॉटन यार्न्स के शेयर 19 नवंबर 2024 को 213.30 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले 2 साल में पदम कॉटन यार्न्स के शेयरों में 1573 पर्सेंट की तेजी आई है। कंपनी के शेयर 17 नवंबर 2022 को 12.75 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 19 नवंबर 2024 को 213 रुपये के ऊपर बंद हुए हैं। पिछले 4 साल में पदम कॉटन यार्न्स के शेयरों में 3750 पर्सेंट का उछाल आया है। कंपनी का मार्केट कैप 100 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

अब एसएमई आईपीओ पर दांव लगाना होगा मुश्किल, सेबी ने बनाया तगड़ा प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप एसएमई आईपीओ पर दांव लगाते हैं तो ये खबर आपके लिए किसी झटके से कम नहीं है। दरअसल, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मंगलवार को स्स्ब्ध आईपीओ के लिए न्यूनतम एप्लीकेशन साइज को मौजूदा 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 4 लाख रुपये तक करने का प्रस्ताव दिया है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि केवल पर्याप्त जोखिम लेने तथा निवेश की क्षमता वाले निवेशक ही आवेदन कर सकें।

सेबी ने क्या कहा

सेबी की ओर से जारी प्रस्ताव में कहा गया- यह देखा गया है कि पिछले कुछ वर्षों में एसएमई आईपीओ में रिटेल निवेशकों की भागीदारी बढ़ी है। एसएमई आईपीओ में रिस्क ज्यादा होता है और शेयरों की लिस्टिंग के बाद सेंटिमेंट बदलने पर निवेशक फंस जाते हैं। ऐसे में छोटे रिटेल निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए एप्लीकेशन का साइज बढ़ाने का प्रस्ताव है।

बाजार नियामक सेबी ने एसएमई आईपीओ में गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए अलॉटमेंट पद्धति में बदलाव का भी प्रस्ताव दिया है। सेबी ने एसएमई आईपीओ में ऑफर

फॉर सेल को इश्यू साइज के 20 प्रतिशत तक सीमित करने का भी प्रस्ताव दिया है। सेबी ने कहा कि एसएमई एक्सचेंज की स्थापना का उद्देश्य जरूरतमंद छोटे और मध्यम उद्यमों को उनके विकास के लिए फंड उपलब्ध कराना था। सेबी ने कहा- यह देखा गया है कि प्रस्तावित आईपीओ के प्रमोटर ने अपनी हिस्सेदारी कम कर दी है जो एसएमई प्लेटफॉर्म बनाने का उद्देश्य नहीं था। सेबी ने 20 करोड़ रुपये से अधिक के इश्यू के लिए फंड इस्तेमाल की कड़ी निगरानी का भी प्रस्ताव दिया। नियामक ने यह भी प्रस्ताव दिया कि मर्चेंट बैंकरों को दी जाने वाली फीस का खुलासा एसएमई आईपीओ के प्रॉस्पेक्टस में किया जाना चाहिए।

आईपीओ आंकड़े बताते हैं कि एसएमई आईपीओ में दो ऑफर फॉर सेल एसएमई आईपीओ थे। इसका मतलब है कि ऑफर फॉर सेल में पूरी तरह से प्रमोटर्स अपनी हिस्सेदारी बेचकर पैसे जुटाते हैं। वहीं, कुल 52 आईपीओ में से 30 में ऑफर फॉर सेल का हिस्सा कुल साइज का 20 प्रतिशत से अधिक था।

विश्व बैंक की शाखा आईडीए की मदद के लिए 4 अरब डॉलर देगा अमेरिका, बाइडन ने एक्स पर दी यह जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने विश्व बैंक के अंतरराष्ट्रीय विकास संघ की मदद करने के लिए अगले 3 वर्षों में 4 अरब अमरीकी डालर देने एलान किया है।

एक्स पर एक पोस्ट में, बाइडन ने कहा, इस सप्ताह मैं विश्व बैंक के अध्यक्ष बंगा के साथ यह घोषणा करने में शामिल हुआ कि संयुक्त राज्य अमेरिका आईडीए की जरूरतों को फिर से पूरा करने के लिए 3 वर्षों में चार अरब अमेरिकी डॉलर देने का वचन देगा। आईडीए विश्व बैंक की वह शाखा है, जो कमजोर देशों की मदद करती है। हम दूसरों से अनुरोध करते हैं कि वे अपनी प्रतिज्ञाओं को आगे बढ़ाने में हमारा साथ दें।

अंतरराष्ट्रीय विकास संघ विश्व बैंक का हिस्सा है जो कम आय वाले देशों की मदद करता है। 1960 में स्थापित, आईडीए विश्व बैंक की मूल ऋण शाखा, अंतरराष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (का पूरक है। आईडीए की वेबसाइट पर साझा की गई जानकारी के अनुसार, इसके अनुदान और कम ब्याज वाले ऋण देशों को अपने भविष्य में निवेश करने और जीवन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं जिससे अधिक समृद्ध समाज का निर्माण होता है।

आईडीए दुनिया के 78 कम आय वाले देशों के लिए सहायता के सबसे बड़े स्रोतों में एक है और इन देशों में बुनियादी सामाजिक सेवाओं के लिए निधि का सबसे बड़ा स्रोत है। आईडीए रियायती शर्तों पर जरूरतमंद देशों को पैसा उधार देता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अच्छी शुरुआत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

पर्थ (एजेंसी)। भारतीय टीम शुक्रवार को यहां बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ अच्छी शुरुआत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में भारतीय टीम की कप्तान कर रहे जसप्रीत बुमराह का लक्ष्य हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम को मिली करार हार को भुलाकर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना रहेगा। पिछले कुछ समय में टीम के अनुभवी खिलाड़ियों का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है उससे भी टीम पर दबाव रहेगा। इस मैचम में नियमित कप्तान रोहित शर्मा भी नहीं खेल रहे है। रोहित हाल ही में दूसरी बार पिता बने हैं, ऐसे में वह अपने परिवार के साथ है। इन हालातों में पारी की शुरुआत कर रहे यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल को अच्छी शुरुआत करनी होगी।

इस सीरीज में विराट , आर अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों का प्रदर्शन अहम रहेगा क्योंकि ये अपने कैरियर के अंतिम दौर पर हैं। ऐसे में पांच मैचों की सीरीजउनके भावी करियर की दशा और दिशा तय करेगी। इस सीरीज में भारतीय टीम का पदर्शन तय करेगा कि वह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में पहुंचती है कि नहीं। भारतीय टीम को इसके लिए ऑस्ट्रेलिया को हर हालत में 4-0 से हराना होगा। वहीं भारतीय टीम के लिए सकारात्मक बात ये है कि टीम की क्षमता पर जब भी सवाल उठे हैं, इसने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिखाया है। बुमराह ने कहा, 'जब आप जीतते हैं तो शून्य से शुरूआत करते हैं लेकिन जब हारते हैं, तब भी तो ऐसा ही होता है। न्यूजीलैंड सीरीज से हमने सबक लिया है लेकिन यहां हालात अलग हैं और यहां हमारे परिणाम अलग रहे हैं।

वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया की टीम इस सीरीज में जीतकर पिछ्ले एक दशक से इस सीरीज को नहीं जीत पाने के सूखे को समाप्त करना चाहेगी। पहले मैच में भारतीय टीम में नियमित कप्तान रोहित के अलावा , शुभमन गिल भी नहीं होंगे। इसका लाभ भी मेजबान टीम भी उठाना चाहेगी। यहां की पिच उछाल भरी होगी जिसपर मेजबान टीम के गेंदबाजा हावी होने का प्रयास करेंगे।

भारतीय टीम की ओर विराट कोहली, के अलावा ऋषभ पंत और केएल राहुल , यशस्वी जायसवाल जैसे बल्लेबाजों को अधिक से अधिक रन बनाकर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों पर अंकुश लगाना होगा। यह ऐसी सीरीज होगी जिसमें गेंदबाजों का पलड़ा भारी होगा और बुमराह भारत की कमान भी संभालेंगे। मोहम्मद सिराज और आकाश दीप तेज गेंदबाजी में उनका साथ दे सकते हैं लेकिन प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा भी चयन के दावेदार हैं। टीम संयोजन चाहे जो हो, ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज किसी प्रकार का जोखिम नहीं लेना चाहेंगे। टीम की बल्लेबाजी स्टीव स्मिथ , मार्नस लाबुशेन जैसे खिलाड़ियों पर आधारित रहेगी। इसके अलावा ट्रेविस हेड भी भारत की परेशानी बढ़ा सकते हैं उनका औसत करीब 28 रहा है। उस्मान ख्वाजा को छोडकर कोई आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है। विकेटकीपर एलेक्स कारी और कप्तान पैट कमिंस ने कभी कभार ही अच्छी पारियां खेली है। पहले टेस्ट के लिए पिच में नमी और उछाल को देखते हुए भारतीय टीम ऑलरांडर रविंद्र जडेजा की जगह अनुभवी आर अश्विन को उतार सकती है। वहीं यूवा ऑलराउंडर नीतिश रेड्डी और बल्लेबाज ध्रुव जुरेलको मौका मिल सकता है। ये दोनो ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं।

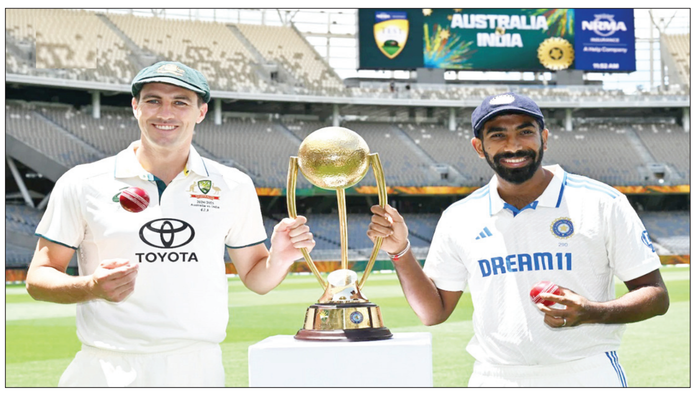

टीम

भारत : जसप्रीत बुमराह (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन, केएल राहुल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल, रवींद्र जड़ेजा, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप।

ऑस्ट्रेलिया : पैट कमिंस (कप्तान), नाथन मैकस्वीनी, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिशेल मार्श, एलेक्स कैरी, मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, जोश हेजलवुड

एडीलेड टेस्ट में रोहित की वापसी से भारतीय खेमे में व्यवधान की संभावना : पोंटिंग

पर्थ (एजेंसी)। आस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज रिकी पोंटिंग ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में मेजबान टीम की 3 . 1 से जीत की अपनी भविष्यवाणी को दोहराते हुए कहा कि एडीलेड टेस्ट में कप्तान रोहित शर्मा की भारतीय टीम में वापसी से व्यवधान की संभावना है। रोहित पिता बनने के कारण पहले टेस्ट से बाहर है जिसमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह कप्तानी करेंगे। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा ,'' मेरा मानना है कि उनके अभियान में और व्यवधान की संभावना है जब रोहित शर्मा दूसरे टेस्ट से लौटेगा। मैं अभी भी कहता हूं कि आस्ट्रेलिया 3 . 1 से जीतेगा।''

उन्होंने कहा ,'' मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ को रन बनाने होंगे। आस्ट्रेलिया की गेंदबाजी बहुत अच्छी है लिहाजा मैं अपनी भविष्यवाणी पर कायम हूं।'' दूसरा टेस्ट छह दिसंबर से शुरू होगा जो दिन रात का मैच होगा। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में आस्ट्रेलिया के लिये सर्वाधिक रन बना चुके पोंटिंग का मानना है कि न्यूजीलैंड से घरेलू श्रृंखला में मिली हार के बावजूद भारतीय टीम काफी संतुलित है। उन्होंने कहा ,'' भारत को पता है कि पर्थ टेस्ट में उसकी टीम क्या होगी। उसे पता था कि रोहित इस टेस्ट में नहीं खेलेगा। यह भी पता था कि बुमराह कप्तान होगा। उन्हें पता था कि किन कमियों को पूरा करना है। टीम संतुलित लग रही है।''

भारत ने आस्ट्रेलिया को पिछली चार टेस्ट श्रृंखलाओं में हराया है। पिछली बार 2020 . 21 श्रृंखला में एडीलेड टेस्ट में भारत के 36 रन पर आउट होने के बाद उन्होंने सुनील गावस्कर से बातचीत में आस्ट्रेलिया की 2 . 1 से जीत का कयास लगाया था जो गलत साबित हुआ। भारत ने मेलबर्न और ब्रिसबेन टेस्ट जीतकर शानदार वापसी की और श्रृंखला अपने नाम की। उस समय कप्तान रहे विराट कोहली एडीलेड टेस्ट के बाद अपनी बेटी के जन्म के कारण लौट आये थे। पोंटिंग ने उम्मीद जताई कि इस बार उनका कयास सही साबित होगा। उन्होंने कहा ,'' पिछली बार सनी (गावस्कर) सही साबित हुआ था लेकिन मुझे उम्मीद है कि इस बार रवि (शास्त्री) सही साबित नहीं होगा। मैं अभी भी कहूंगा कि आस्ट्रेलिया 3 . 1 से जीतेगा।

पुजारा के भारतीय टीम में नहीं होने से खुश हैं हेजलवुड

पर्थ (एजेंसी)। यहां शुक्रवार से शुरु हो रहे पहले टेस्ट मैच की तैयारी में लगे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा है कि इस बार भारतीय टीम में अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा के नहीं होने से उन्हें खुशी मिली है। हेजलवुड के अनुसार पुजारा विकेट पर जम जाते हैं और उन्हें गेंदबाजी करना बेहद कठिन होता है। पुजारा ने साल 2018-19 में चार टेस्ट की सात पारियों में तीन शतक लगाकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने 2020-21 की श्रृंखला में 928 गेंदें खेली जो श्रृंखला में किसी भी बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक थी और इस बार भी उन्होंने जीत में आगे बढ़कर अपनी भूमिका निभाई थी। हेजलवुड ने पहले टेस्ट से पूर्व कहा, 'मुझे खुशी है कि पुजारा इस बार टीम में नहीं है। वह ऐसे बल्लेबाज हैं जिनको आप हमेशा आउट करना चाहेंगे। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्होंने हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने हालांकि कहा कि पुजरा के नहीं होने के बाद भी भारतीय टीम के पास काफी प्रतिभाशाली क्रिकेटर हैं। उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम में हमेशा युवा और नए खिलाड़ी आते रहते हैं। उन पर अच्छे प्रदर्शन का इतना दबाव होता है इसलिए भारतीय एकादश में जो भी होगा, वह काफी बेहतर ही होगा। पिछली बार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने ब्रिसबेन में चौथे और आखिरी टेस्ट में नाबाद 89 रन बनाए थे। हेजलवुड ने कहा कि पंत के जैसे आक्रामक बल्लेबाज के लिए लचीलापन अपनाना होगा। उन्होंने कहा, 'ऐसे बल्लेबाज के सामने आपको हमेशा एक से दो योजनाएं होनी चाहिये। वहीं शुभमन गिल अंगूठे की चोट के कारण पहला मैच नहीं खेलेंगे जिसकी वजह से भारत को तीसरे नंबर पर नया बल्लेबाज उतारना होगा।

ब्रेंडन मैकुलम के वर्ल्ड रिकॉर्ड पर यशस्वी जायसवाल की नजरें, कर सकते हैं ये कारनामा

पर्थ (एजेंसी)। शुक्रवार यानी 22 नवंबर का दिन भारत और ऑस्ट्रेलिया के लिए बेहद अहम है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का आगाज इसी दिन से होगा जहां पर्थ में दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट खेला जाएगा। वहीं भारत के नियमित कप्तान रोहित शर्मा निजी कारणों की वजह से मौजूद नहीं होंगे, जबकि जसप्रीत बुमराह टीम की कमान संभालेंगे। इस दौरे पर सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के प्रदर्शन पर भी सबकी नजरें रहेंगी, जोकि रोहित शर्मा के जोड़ीदार भी हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में यशस्वी जायसवाल का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। उन्होंने अन्य बल्लेबाजों की तुलना में रन तो बनाए लेकिन उसे बड़े स्कोर में नहीं बदल सके। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में उनके पास एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने का मौका होगा। यशस्वी जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर की शानदार शुरूआत की। उन्होंने 14 टेस्ट में 1407 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने तीन शतक लगाए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में 700 से ज्यादा रन बनाए। हालांकि, उसके बाद उनके बल्लेबाज से ज्यादा रन नहीं निकले हैं। ऑस्ट्रेलिया सीरीज उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण होने वाली है और उनके करियर को भी नई उड़ान दे सकता है। यशस्वी जायसवाल मैच के दौरान बड़े शॉट खेलने के लिए जाने जाते हैं और जब तक क्रीज पर रहते हैं छक्के और चौके लगाने से नहीं चूकते। उन्होंने इस साल 32 छक्के लगाए हैं। अगर वह पर्थ टेस्ट में दो और छक्के लगाते हैं तो वह ब्रेंडन मैकुलम के एक कैलेंडर ईयर में सर्वाधिक छक्के लगाने के रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। मैकुलमन ने 2014 में 33 छक्के लगाए हैं। यशस्वी जायसवाल 2024 में जो रूट के बाद एक हजार टेस्ट रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। रूट ने 1338 रन बनाए हैं, जबकि जायसवाल के नाम 1119 रन है। अगर वह 219 रन और बना लेते हैं तो वह इस साल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। यशस्वी जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर की बेहतरीन शुरुआत की। उन्होंने 14 टेस्ट में 1407 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने तीन शतक लगाए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में 700 से ज्यादा रन बनाए। हालांकि, उसके बाद उनके बल्लेबाज से ज्यादा रन नहीं निकले हैं। ऑस्ट्रेलिया सीरीज उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण होने वाली है और उनके करियर को भी नई उड़ान दे सकता है।

मेसी अगले साल आ सकते हैं भारत

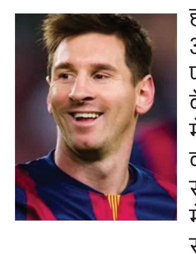

तिरुवनंतपुरम। भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। अर्जेंटीना के स्टार स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी अगले साल भारत में खेलने आ सकते हैं मेसी के भारत में भी काफी प्रशंसक हैं। ऐसे में भारतीय प्रशंसकों के पास अवसर होगा कि वह मेसी को देख सकें। केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने कहा कि मेसी सहित अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम अगले साल एक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए भारत आयेगी। खेल मंत्री ने कहा कि इस मैच की मेजबानी के लिए राज्य पूरी तैयारी करेगा। उन्होंने केरल की क्षमता पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि मैच राज्य सरकार की पूरी निगरानी में आयोजित किया जाएगा। मेसी ने अंतिम बार 2011 में भारत में खेला था उस समय अर्जेंटीना ने वेनेजुएला के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। यह मैच गोल रहित ड्रॉ पर समाप्त हुआ था. हाल ही में मेजर लीग सॉकर की टीम इंटर मियामी में मेसी के शामिल होने से उत्तरी अमेरिका में उनकी लोकप्रियता और बढ़ गई है, जिससे भारत में भी उनके प्रशंसक आकर्षित हुए हैं, जो अक्सर उनके मैच देखने के लिए देर रात तक जागते रहते हैं।

शमी को आईपीएल में इसलिए नहीं मिलेगी अधिक कीमत : मांजरेकर

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को इस बार आईपीएल 2025 के लिए होने वाले नीलामी में अधिक कीमत नहीं मिल पायेगी। मांजरेकर के अनुसार सभी फ्रेंचाइजी उनकी फिटनेस को लेकर चिंतित होगी क्योंकि वह साल तक चोट के कारण प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर रहे हैं। हालांकि शमी की घरेलू क्रिकेट में वापसी एक महत्वपूर्ण कदम है। आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 के दौरान वह शानदार फॉर्म में थे। वह 7 मैचों में 10.70 की औसत से 24 विकेट लेकर टूर्नामेंट के अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में समाप्त हुए। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में आया, जहां उन्होंने 57 रन देकर 7 विकेट लिए। मांजरेकर ने कहा कि निश्चित रूप से कई टीमों की उनमें रुचि होगी। लेकिन अगर आप शमी की हाल की चोट को देखेंगे तो आप पाएंगे कि उन्हें उबरने के लिए काफी समय लगा है। हर टीम को सीजन के दौरान संभावित ब्रेकडाउन के बारे में हमेशा चिंता रहेगी। यदि कोई फ्रेंचाइजी भारी निवेश करती है और फिर उसे बीच में ही खो देती है तो उसके विकल्प सीमित हो जाते हैं। इस चिंता के कारण उनकी कीमत में गिरावट हो सकती है। गौरतलब है कि आईपीएल 2023 में शमी ने 17 पारियों में 8.04 की इकॉनमी रेट से 28 विकेट लिए थे और पर्पल कैप जीती थी।

बिहार सरकार ने भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए इनाम घोषित किये

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार ने भारतीय महिला हॉकी टीम को एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 का खिताब जीतने पर बधाई देते हुए कहा है कि टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को 10-10 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। भारतीय टीम ने बुधवार को यहां के राजगीर स्टेडियम में हुए फाइनल में चीन को 1-0 से हराकर खिताब जीता है। इस जीत के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने टीम को बधाई देते हुए इनाम घोषित किया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा, राजगीर के राज्य खेल अकादमी एवं बिहार खेल विश्वविद्यालय-सह-राज्य खेल परिसर में आयोजित एशियन महिला हॉकी चैंपियनशिप ट्रॉफी में भारत की जीत पर बधाई एवं शुभकामनाएं। बिहार में पहली बार आयोजित एशियाई महिला हॉकी चैंपियनशिप ट्रॉफी में भारत ने फाइनल मुकाबले में चीन पर 1-0 से जीत दर्ज कर इतिहास रचा है जो सभी के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि यह जीत भारतीय टीम की कड़ी मेहनत, ऊर्जा और धैर्य के साथ ही दृढ़ संकल्प को दिखाती है। उन्होंने भारतीय महिला हॉकी टीम को भविष्य के लिए भी शुभकामनाएं भी दीं।

साथ ही उन्होंने लिखा, राज्य सरकार विजेता टीम के सभी सदस्यों एवं टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह को 10-10 लाख रुपये नकद राशि से पुरस्कृत करेगी। टीम के सहयोगी स्टाफ को भी पांच-पांच लाख रुपये की नकद राशि दी जाएगी। इसके अलावा बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी टीम को बधाई और शुभकामना देते हुए खिलाड़ियों और कोच को पुरस्कृत करने की घोषणा पर मुख्यमंत्री का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि इससे खिलाड़ियों का मनोबल काफी बढ़ेगा।

कनाडा को हराकर जर्मनी डेविस कप टेनिस के सेमीफाइनल में पहुंची

मैलागा। जर्मनी की डेविस कप टेनिस के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। जर्मनी ने क्वार्टर फाइनल में कनाडा को हराकर अंतिम चार में जगह बनायी। जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ और डैनियल अल्टमायर ने अपने-अपने मैच जीतकर कनाडा को 2-0 से हराया। इसके साथ ही जर्मनी की टीम डेविस कप के सेमीफाइनल में पहुंच गयी। जर्मनी के अल्टमायर ने इस मैच में गैब्रियल डायलो को सीधे सेटों में 7-6(5) 6-4 से हराया। वहीं इससे पहले एक अन्य मैच में स्ट्रफ ने डेनिस शापोवालोव पर 4-6 7-5 7-6(5) से जीत दर्ज की। स्ट्रफ ने कहा, आज मुझे लगता है कि हम जीत के अधिकारी थे। मैं जीत से उत्साहित हूं हालांकि विरोधी खिलाड़ी डेनिस भी काफी अच्छे से खेल रहे थे, उन्होंने पूरे मैच में जबरदसत सर्विस की जिससे हमारे लिए वापसी करना मुश्किल हुआ। टाईब्रेक में भी, उन्होंने कुछ विनर्स लगाए। कुल मिलाकर यह बहुत करीबी मुकाबला रहा था। अब सेमीफाइनल में जर्मनी का मुकाबला नीदरलैंड से होगा। नीदरलैंड ने इससे पहले एक अन्य मैच में रफल नडाल पर जीत के साथ ही स्पेन को हराया था। स्ट्रफ ने कहा कि हमारे लिए क्वार्टर फाइनल से सेमीफाइनल में जाना एक बड़ा कदम है। हम जीतना चाहते हैं और अब फाइनल में जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, नीदरलैंड ने भी अब तक शानदार मुकाबला खेला है। हमें सेमीफाइनल में हमें कड़े मुकाबले की उम्मीद है। हम जानते हैं कि जर्मन और डच के बीच थोड़ी प्रतिद्वंद्विता है और डच लोगों के पास काफी प्रशंसक हैं, इसलिए मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। इससे पहले, शुरुआती मैच में, पहले सेट के दौरान दोनों खिलाड़ी आशंकित दिखे। अल्टमायर ने टाईब्रेक में 5-0 की बढ़त को जाने दिया और फिर 7-5 से जीत हासिल की। ??दूसरा सेट बेहतर रहा और यह तभी संभव हुआ जब जर्मन खिलाड़ी ने 15-40 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए दसवें गेम में कनाडाई खिलाड़ी की सर्विस तोड़ी और मैच जीत लिया।

कोहली पर ऑस्ट्रेलिया में खेलने का दबाव भारत की तुलना में कम होगा: मार्क वॉ

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मार्क वॉ ने कहा कि विराट कोहली पर ऑस्ट्रेलिया में खेलने का दबाव भारत की तुलना में कम होगा, क्योंकि दाएं हाथ के इस बल्लेबाज को ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियां पसंद हैं और उनका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार है।

कोहली खराब फॉर्म के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंचे। उन्होंने अपनी दस हालिया टेस्ट पारियों में 20.62 की औसत से रन बनाए, जो ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट में उनके 54.08 के औसत और उनके कुल करियर औसत 47.83 से काफी कम है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया में अपने कुछ ऐतिहासिक शतक लगाने और 2018/19 में भारत को यहां 2-1 से सीरीज जिताने के बाद, 22 नवंबर से पर्थ स्टेडियम में शुरू होने वाली आगामी पांच मैचों की सीरीज में उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद है। वॉ ने फॉक्स क्रिकेट से कहा, ÷ऑस्ट्रेलिया में उनका रिकॉर्ड शानदार है, उन्हें परिस्थितियां पसंद हैं। मुझे लगता है कि वह स्पिन की तुलना में तेज गेंदबाजी के बेहतर खिलाड़ी हैं। हालांकि, उनके मानकों के अनुसार, उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उनका औसत काफी गिर गया है, '।

'शायद पर्थ उनके लिए एक अच्छी शुरुआत होगी, क्योंकि उन्होंने (2018 में) एक बहुत ही मुश्किल पिच पर शानदार शतक बनाया था। जब आपके पास कुछ खास मैदानों पर अच्छी यादें होती हैं तो यह हमेशा अच्छा होता है।' उन्होंने कहा, 'भारत की तुलना में ऑस्ट्रेलिया में होने पर उन पर कम दबाव होगा। भारत में अपनी घरेलू धरती पर खेलना बहुत ही रोमांचक होता है। यह सीरीज उनके लिए नई शुरुआत होगी।' दिसंबर 2014 के बाद पहली बार कोहली आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग के शीर्ष 20 से बाहर हो गए हैं, लेकिन आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी उन्हें अपने संघर्षरत टेस्ट करियर को फिर से पटरी पर लाने का मौका देगी। वॉ ने आगे कहा, ÷ऑस्ट्रेलियाई लोग अभी भी उन्हें एक बड़ा विकेट मानते हैं।वे जानते हैं कि वह क्या करने में सक्षम हैं और ऑस्ट्रेलिया में उनका रिकॉर्ड बहुत अच्छा है और उन्हें बड़े मंच से प्यार है।

वॉ ने कहा, 'भारत ने हमें पिछली चार सीरीज में हराया है, इसलिए मुझे लगता है कि इससे कोहली का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सामने आएगा। वह रन बनाने के लिए पर्याप्त अच्छे और तकनीकी रूप से अच्छे हैं या नहीं, यह एक अलग कहानी है।' पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली को भी भरोसा है कि कोहली इस गर्मी में ऑस्ट्रेलिया में फिर से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे और मेजबान टीम के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। 'उनकी मानसिकता ऑस्ट्रेलियाई है, कभी हार न मानने वाला रवैया। उन्हें किसी लड़ाई में उलझने से कोई गुरेज नहीं है। हाल ही में उनके फॉर्म को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन मैं इससे चिंतित नहीं हूं। मैं जानता हूं कि कोहली के पास काफी अनुभव है।'

मैक्सवेल हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण बीबीएल के शुरुआती मुकाबलों से बाहर रहेंगे

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) के शुरुआती मैचों से बाहर हो गये हैं। मैक्सवेल के स्कैन में उनके बाएं हैमस्ट्रिंग में ग्रेड टू टियर का पता चला है। मैक्सवेल को पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे टी20 के दौरान फील्डिंग करते समय चोट लगी थी। इसके बाद से ही वह दर्द से परेशान थे। इस चोट के कारण फरवरी 2025 में श्रीलंका में होने वाली दो मैचों की सीरीज से पहले टेस्ट टीम में वापसी की उनकी संभावनाओं को भी झटका लगा है। उन्होंने अंतिम बार 2017 में टेस्ट क्रिकेट खेला था। इसके अलावा, अब वह बीबीएल सत्र की तैयारी के लिए शेफील्ड शील्ड मैच भी नहीं खेल पायेंगे। क्रिकेट विक्टोरिया ने कहा है कि चोट के कारण मैक्सवेल कम से कम चार सप्ताह तक मैदान से बाहर रहेंगे। बिग बैश लीग का सत्र अगले माह 15 दिसंबर से शुरू होगा जिसमें मेलबर्न स्टार्स का सामना पर्थ स्कॉर्चर्स से होगा। मैक्सवेल ने इस साल की शुरुआत में अपनी टेस्ट वापसी के बारे में आशा व्यक्त की थी जिसमें भी अब बाधा आई है।

भारतीय टीम न्यूजीलैंड से घरेलू सीरीज में हार का 'कोई बोझ नहीं उठा रही है' : बुमराह

पर्थ (एजेंसी)। कार्यवाहक कप्तान जसप्रीत बुमराह ने कहा है कि भारतीय टीम पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पूरे आत्मविश्वास के साथ उतरेगी और पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में हार का कोई बोझ नहीं उठा रही है।

भारत ऑस्ट्रेलिया का सामना करने की तैयारी कर रहा है, लेकिन न्यूजीलैंड सीरीज में हाल ही में मिली हार ने जटिलताएं बढ़ा दी हैं। टीम को कीवी टीम के हाथों 3-0 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा, जिसमें वानखेड़े स्टेडियम में 25 रन से हार भी शामिल है। यह 2000 के बाद से घरेलू टेस्ट सीरीज में भारत की पहली क्लीन स्वीप हार और तीन या उससे अधिक मैचों की सीरीज में उनकी पहली हार थी। भारत पांच मैचों की सीरीज में एक स्पष्ट उद्देश्य के साथ उतरेगा- चार मैच जीतना और लगातार तीसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचना।

बुमराह ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'जब आप जीतते हैं, तो आप शून्य से शुरुआत करते हैं, लेकिन जब आप हारते हैं, तो भी आप शून्य से शुरुआत करते हैं। हम भारत से कोई बोझ नहीं उठा रहे हैं। हां, हमने न्यूजीलैंड सीरीज से कुछ सीखा है, लेकिन वहां परिस्थितियां अलग थीं और यहां हमारे नतीजे अलग रहे हैं।' नियमित कप्तान रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में टीम की अगुआई करने वाले बुमराह ने आगे कहा, ÷हमने अपनी प्लेइंग इलेवन को अंतिम रूप दे दिया है और आपको कल सुबह मैच शुरू होने से पहले पता चल जाएगा।

भारतीय तेज गेंदबाज ने ऑस्ट्रेलिया में अपने ऐतिहासिक प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन की ओर इशारा करते हुए टीम की तैयारियों पर भी भरोसा जताया। पर्थ की पिच, जो अपनी उछाल और गति के लिए जानी जाती है, गेंदबाजों के अनुकूल होने की उम्मीद है, जो श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले में एक दिलचस्प मोड़ लाएगी। पहला टेस्ट 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होगा। एडिलेड 6 दिसंबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा, इसके बाद 14 दिसंबर को ब्रिसबेन होगा। बॉक्सिंग डे टेस्ट 26 दिसंबर को मेलबर्न में होगा और पांचवां अंतिम टेस्ट 3 जनवरी, 2025 को सिडनी में शुरू होगा।

यह पहली बार होगा जब भारत और ऑस्ट्रेलिया पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में मिली हार के बाद आगामी सीरीज भारत की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की उम्मीदों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत का अंक प्रतिशत वर्तमान में 58.33 प्रतिशत है और वह तालिका में शीर्ष पर चल रही ऑस्ट्रेलिया से पीछे है। लगातार तीसरे डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की अपनी संभावनाओं को मजबूत करने के लिए, भारत को पांच में से कम से कम चार टेस्ट जीतने होंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सर्दियों में सांस के रोगी रहें सचेत

सर्दियों में तापमान में कमी और वातावरण में प्रदूषित तत्वों की बढ़ी हुई मात्रा सेहत के लिए मुसीबत का कारण बन सकती है। सर्दियों का मौसम खासतौर पर सांस के मरीजों के स्वास्थ्य के लिए चुनौती बन जाता है। इस मौसम में सांस संबंधी दिक्कतें जैसे दमा, फ्लू और सर्दी-जुकाम के मरीजों की संख्या काफी बढ़ जाती है।

प्रदूषित कोहरे का दुष्प्रभाव

सर्दियों में होने वाला कोहरा (जो वायुमंडल की जलवाष्प के संघनित होने से बनता है) कमोबेश हानिरहित होता है, लेकिन धुएं और सस्पेन्डिड पार्टिकल्स (छोटे-छोटे प्रदूषित कणों) के इर्द-गिर्द जमने से बना स्मोग (प्रदूषित कोहरा) मानव शरीर और खासतौर पर श्वसन तंत्र के लिए किसी विपत्ति से कम नहीं होता। इस वजह से लोगों की आंखों में जलन, आंसू, नाक में खुजली, गले में खराश और खांसी जैसे लक्षण सामान्य तौर पर देखने को मिलते हैं। सर्दी बढ़ने के साथ ही सांस की नली की संवेदनशीलता तुलनात्मक रूप से बढ़ जाती है, जिससे सांस की नली सिकुड़ती है। इस कारण सांस के रोगियों में समस्या की आशंका बढ़ जाती है।

वृद्ध रहें सजग

वृद्धों में सांस संबंधी समस्याएं कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती हैं। दरअसल बुजुर्गों में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण उन्हें सांस संबधी बीमारियों का ज्यादा खतरा रहता है।

दमा या अस्थमा- वातावरण में किसी भी प्रकार के बदलाव से शरीर में परिवर्तन होता है, जिससे, एलर्जी और अस्थमा के रोगी मुख्य रूप से प्रभावित होते हैं। जाड़े में इन मरीजों की परेशानियां बढ़ जाती है। इसलिए उन्हें विशेष तौर पर अपना ख्याल रखने की सलाह दी जाती है।

फ्लू या इंफ्लूएंजा- यह समय फ्लू या इंफ्लूएंजा के वाइरस के सक्रिय होने का है। इस कारण फ्लू के मामलों में काफी वृद्धि हो जाती है। बच्चों, वृद्धों, गर्भवती महिलाएं और एच.आई.वी. से पीड़ित रोगियों में यह संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है।

क्या करें

- सांस के रोगी खासकर दमा के मरीज न सिर्फ सर्दी से बचाव करें बल्कि नियमित रूप से डॉक्टर के संपर्क में रहें। डॉक्टर की सलाह से अपने इनहेलर की डोज भी दुरुस्त कर लें। कई बार इनहेलर्स की मात्रा बढ़ानी होती है।
- सर्दी से बचकर रहें। पूरा शरीर ढकने वाले कपड़े पहनें। सिर, गले और कान को खासतौर पर ढकें।
- सर्दी के कारण साबुन-पानी से हाथ धोने की अच्छी आदत न छोड़ें।
- गुनगुने पानी से नहाएं।
- सर्दी के मौसम में मालिश लाभप्रद है।
- सर्दी, जुकाम, खांसी, फ्लू और सांस की अन्य बीमारियों से ग्रस्त रोगियों को सुबह- शाम भाप(स्टीम) लेनी चाहिए।
- फ्लू के रोगी खांसते या छींकते समय मुंह पर हाथ रखें या रूमाल का प्रयोग करें।
- फ्लू के रोगियों द्वारा इस्तेमाल की गई वस्तुओं जैसे रूमाल व चादरों आदि को सुरक्षित विधि से साफ करें।
- अगर आप में फ्लू के लक्षण हैं, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें और घर मे ही रहें।
- फ्लू पीड़ित से कम से कम 1 मीटर दूर रहें।
- हाथ मिलाने या गले मिलने से बचें, भारतीय पद्धति के अनुसार नमस्कार करें।

क्या न करें

- सर्दी में सांस के मरीजों को सुबह की सैर नहीं करनी चाहिए।
- सुबह ठंडे पानी से न नहाएं। सांस के रोगियों को अलाव के धुएं से बचना चाहिए, अन्यथा इससे उन्हें सांस का दौरा पड़ सकता है।

घर पर करें गोभी और मिर्च से रोगों का उपचार

जार्जटाऊन यूनिवर्सिटी मैडीकल सैंटर के शोधकर्ताओं के अनुसार फूलगोभी, पत्तागोभी तथा जलकुंभी परिवार की सब्जियों में एक प्रकार का पदार्थ पाया जाता है जो मानव एवं जानवर दोनों में फेफड़े का कैंसर रोकने में सहायक होता है।

शोधकर्ताओं के अनुसार 'प्रेफेक्स' नामक एक ऐसा पदार्थ गोभी में पाया जाता है जो फेफड़े को कैंसरग्रस्त होने से रोकता है। यह पदार्थ सैक्स उत्तेजक भी होता है। इसी प्रकार मिर्च खाने से शरीर की चर्बी कट जाती है और वजन कम हो जाता है।

मिर्च की तासीर के कारण चर्बी बढ़ाने वाली कोशिकाएं खुद ब खुद नष्ट होने लगती है। ताईवान के शोधकर्ता चिन-लिन-शू के अनुसार मिर्च शरीर के चयापचय की प्रक्रिया को तेज करती है और यह मोटापे को कम करने के साथ ही कालरा तथा ब्रांकाइटिस जैसी बीमारियों का उपचार भी करती है।

गोभी और मिर्च से बहुत से रोगों का उपचार घर पर ही किया जा सकता है। आईए जानें कैसे

गोभी

1 गोभी में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को दरूस्त रखते हैं और पेट संबंधी रोगों से राहत देते हैं।
2 गोभी का सेवन करने से कैंसर जैसी भयानक बीमारी का खतरा कम होता है।
3 गोभी का सेवन मोटापे से निजात दिलाता है।
4 गोभी में कैल्शियम की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो शरीर की हड्डियों के लिए काफी फायदेमंद होती है और दांतों को भी मजबूत बनाने में मददगार साबित होती है।

मिर्च

1 जब आप हरी मिर्च अपने दांत से चबाते हैं तो इसका तीखा अनुभव आपके मुंह में अधिक थूक पैदा करता है जो रक्त के थक्कों को घोलने में काफी सहायक होता है।
2 हरी मिर्चों में विटामिन सी की मौजूदगी शरीर को खांसी, जुकाम तथा श्वास संबंधी अन्य समस्याओं से बचाने में सहायता करती है।
3 हरी मिर्च में मौजूद विटामिन के ओस्टियोपोरोसिस के खतरे को कम करता है।
4 हरी मिर्च एक प्राकृतिक दर्द निवारक है और यह ओस्टियोआर्थराइटिस जैसी स्थितियों में इलाज में काफी लाभदायक होती है।
5 मोटापे से पीड़ित लोगों में कोलैस्ट्रॉल के स्तरों को कम करने में हरी मिर्चें काफी सहायक होती हैं।

मानव पर रंगों का प्रभाव

सफेद रंग हल्केपन एवं शीतलता का आभास देता है।

पीला रंग उत्फुल्लता, हल्केपन खुलेपन और गर्माहट का आभास देता है, नब्ज की रफ्तार तेज करता है परंतु आक्रामक प्रतिक्रिया भी पैदा कर सकता है।

बैंगनी रंग थकान और भारीपन का भ्रम उत्पन्न कर थकान, बोरियत या बोझ की अनुभूति करता है।

गहरा नीला रंग मस्तिष्क को विश्रांति देता है किन्तु दुख का बोध भी कराता है। गहरे नीले रंग से पूरा कमरा ठंडा एवं भरा-भरा प्रतीत होता है।

हरा रंग शांति एवं शीतलता का अहसास कराता है। आंखों से दबाव घटाकर नेत्र ज्योति तेज करता है। खून का दबाव भी सामान्य करता है। हल्का नीला रंग शीतलता व अलगाव द्वारा चैन देता है। काला रंग ओजस्विता कम करता है, अवसादकारक एवं उत्पीड़क बोझ देने वाला है। काले रंग पुते तल काफी बड़े प्रतीत होते हैं। भूरा रंग स्थायित्व, गर्म और मानसिक संतुलन बोधकारक होता है। सलेटी रंग को ठंडा, नीरसता व विरक्तिबोधक माना जाता है। श्वेत एवं नीले रंग के सम्मिश्रण को शीतलता और चैन का द्योतक कहा गया है। जामुनी रंग गर्म एवं उत्साहवर्धक माना गया है। लाल रंग गर्मजोशी, मनोबल बढ़ाता है, मगर देर तक हावी रहना थकान एवं धड़कन बढ़ाता है

ठंड में त्वचा रोगों से बचाव के घरेलु नुस्खे

1 सर्दी के मौसम में स्वस्थ त्वचा के लिए जरूरी है नियमित स्नान। भले ही आप प्रतिदिन न नहाएं परंतु हर दूसरे दिन नहाने का नियम बनाएं। जिस दिन नहीं नहाएं, उस दिन स्पंज करें तथा अंदर के कपड़े अवश्य बदलें। नहाने के लिए ठंडा-गर्म जैसा पानी चाहें, इस्तेमाल कर सकते हैं।
2 जाड़े में साबुन का प्रयोग ज्यादा न करें। नहाने से पहले पूरे बदन में तेल लगाएं। नहाने के बाद तेल या माश्चराइजर का उपयोग करें। पानी से करने वाले काम एक ही बार में निपटा लें। बार-बार पानी में हाथ न डालें। यदि पानी का काम करना जरूरी हो तो पहले हाथों में मलाई लगाएं। दस्ताने पहन कर काम करने से त्वचा सुरक्षित रहती है।
3 सर्दियों में धूप का नियमित सेवन करके चिलब्लेंस व डर्माटाइटिस जैसे रोगों से बचा जा सकता है। धूप में उतना ही बैठें जितनी देर आराम महसूस करें। अगर त्वचा लाल पडने लगे या सूजने लगे, तो धूप से हट जाएं। जिन्हें धूप से एलर्जी है उनके लिए सर्दी की धूप भी नुक्सानदायक है। ऐसे लोग धूप में कम निकलें। जब भी धूप में निकलें तो सिर पर स्कार्फ बांध लें या छतरी भी लगा सकते हैं।
4 हाथ-पैर की उंगलियों के सुन्न होने, खून का दौरा कम होने या त्वचा के फटने से बचने का सबसे अच्छा उपाय है संतुलित आहार। भोजन में दूध, दही और हरी सब्जियां खूब लें। विटामिन ए ज्यादा से ज्यादा लें। त्वचा के लिए गाजर का सेवन बहुत फायदेमंद है।
5 यूरिया आयंटमैंट त्वचा के फटने, सूजन और लाल होने वाली त्वचा के उपचार के लिए बहुत उपयोगी है। यह यूरिया से बनती है। इसको मलने से त्वचा काफी देर तक मुलायम बनी रहती है। इसके नियमित इस्तेमाल से त्वचा में होने वाले रोगों से बचा जा सकता है तथा त्वचा स्वस्थ रहती है।

कहीं आप भी खून की कमी का शिकार तो नहीं हो रहे

आज के भागदौड़ भरे जीवन में फास्ट फूड का प्रचलन बड़ रहा है। जिससे भोजन में पौष्टिक आहार की कमी के कारण आज प्रत्येक वर्ग के लोग खून की कमी से जूझ रहे हैं। जिसमें अधिकतर संख्या युवाओं की है जिसके कारण उन्हें कमजोरी आदि की शिकायतें होने लगी हैं। खून की पाई जाने वाली इस कमी को एनीमिया कहते हैं। एनीमिया का प्रमुख कारण सही प्रकार की डाइट न लेना है। पुरुषों में खून की मात्रा 14 से 18 ग्राम प्रति डैसीलीटर होनी चाहिए। वहीं महिलाओं में यह 12 से 16 ग्राम प्रति डैसीलीटर है। इससे कम मात्रा में पाए जाने वाले खून को एनीमिया कहते हैं। वैसे 10 ग्राम से अधिक खून वाले भी स्वस्थ रहते हैं, परंतु इससे कम खून वाले को अधिक से अधिक डाइट लेनी चाहिए।

एनीमिया की 3 स्टेज होती हैं, जिनमें प्रथम स्टेज को माइलड कहते हैं, जो 10 से 12 ग्राम होती है। वहीं 6 से 10 ग्राम को मोडरेट व 6 ग्राम से कम की स्थिति खतरनाक होती है। जिसे सीवियर एनीमिया कहते हैं।

एनीमिया अत्यधिक गंभीर रोग तब होता है जब हैपिटाइटिस बी, सी तथा एच.आई.वी. जैसे संक्रमण होते हैं।

डाक्टरों का सुझाव है कि अधिक मात्रा में भी आयरन का सेवन नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि इससे हृदय संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

कैसे करें खून की कमी पूरी

1 एनीमिया से निजात पाने के लिए बैलेंस डाइट जरूरी है। प्रोटीन, आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन, मांस, मछली में ही नहीं दूध, हरी सब्जियां, मटर, फलियों तथा पत्तेदार सब्जियों, शीरा, गुड़, किशमिश, खजूर, सेब इन सबमें अलग-अलग रूप में मिल जाते हैं। इन तत्वों में खून बनने में सहायता मिलती है।

2 खाना खाने से पहले व बाद में आधे घंटे तक चाय का सेवन भी नहीं करना चाहिए। चाय खाने में मिलने वाले पौष्टिक तत्वों को डाइजेस्ट नहीं होने देती।

3 आयरन युक्त डाइट तभी फायदेमंद होती है, जब उसके साथ विटामिन सी का भी सेवन किया जाए। विटामिन सी के लिए अमरूद, आंवला और संतरे का जूस लें। वैसे तो बैलेंस्ड डाइट और हैल्दी लाइफ स्टाइल ही काफी है लेकिन फिर भी किसी कारण से एनीमिया हो जाता है तो प्रापर ट्रीटमैंट लेना आवश्यक है। डाक्टर की सलाह से ब्लड टैस्ट कराएं ताकि बीमारी का कारण पता चल सके। उसके बाद ही डाक्टर आपका सही ट्रीटमैंट कर सकेंगे।

रूखी त्वचा को कोमल बनाता है नारियल तेल

ठंड के कारण कई समस्याएं होती हैं. इस मौसम में त्वचा के रोग और सर्दी-जुकाम होना आम बात है. इन समस्याओं से निबटने के लिए प्रस्तुत हैं कुछ आसान घरेलू उपाय, जिनसे इन समस्याओं से निबटा जा सकता है.

- रूखी त्वचा से बचने के लिए नैचुरल मॉस्च्यूराइजर, जैसे- नारियल तेल लगाएं.
- शहद के साथ गुलाब जल मिला कर चेहरे पर लगाएं. इससे त्वचा में चमक आयेगी और चेहरा साफ होगा.
- स्नान से पहले नारियल तेल लगा लें, इससे चिकनाई और कोमलता आयेगी.
- नीबू का रस लगाएं. इसमें मौजूद विटामिन-सी चेहरे की चमक बनाये रखती है.
- सर्दी के मौसम में विटामिन की कमी के कारण होठ फटने लगते हैं, इसलिए टमाटर, गाजर, साबूत अनाज और फल-सब्जियों का सेवन करें.
- नारंगी के छिलके के पाउडर में शहद मिला कर लगाने से त्वचा निखरती है.
- जितना हो सके, आहार में विटामिन-इ युक्त खाद्य पदार्थों, जैसे- पालक, बादाम, कद्दू आदि का सेवन करना बेहतर होता है.

सेहत का खजाना है पालक

हरी सब्जियों में पालक का नाम सबसे ऊपर है. यह शरीर के लिए काफी फायदेमंद है. इसमें शरीर के लिए आवश्यक अमीनो एसिड, विटामिन ए, फोलिक एसिड, प्रोटीन और लौह तत्व भरपूर मात्र में होते हैं. इसके सेवन कई रोगों से भी छुटकारा मिलता है.

यह हरी पत्तेदार सब्जी गुणों से भरपूर है. पोषक तत्वों की प्राप्ति के लिए इसका नियमित सेवन बेहतर माना जाता है. पालक में विटामिन ए और सी प्रचुर मात्र में होते हैं. इसके अलावा विटामिन बी कॉम्पलैक्स, फोलिक एसिड, मैग्नीशियम की भी प्रचुरता होती है. शोध के अनुसार एक कप पालक से दिन भर की मैग्नीशियम की जरूरत का 40 प्रतिशत प्राप्त हो जाता है. मधुमेह पीड़ित लोगों के लिए भी पालक अच्छा विकल्प है. दही के साथ कच्चे पालक का रायता बहुत ही स्वादिष्ट और गुणकारी होता है.

इन रोगों से बचाता है -

ऑस्टियोपोरोसिस - खनिज तत्वों की प्रचुरता के कारण यह हड्डियों को मजबूत बनाता है और ऑस्टियोपोरोसिस को दूर रखता है.

आंखों की रोशनी - पालक मैकुलर डिजेनरेशन का जोखिम भी कम करता है. मैकुलर डिजेनरेशन 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में अंधेपन का मुख्य कारण है. इसके अलावा, विटामिन ए की कमी से रतौंधी और आंखों की रोशनी में कमी जैसे लक्षण उत्पन्न होते हैं.

शरीर की क्षतिपूर्ति में सहायक - प्रचुर मात्र में मौजूद फोलेट डीएनए और कोशिकाओं की सामान्य क्षति को पूरा करता है और इससे शरीर स्वयं अपने नुकसान की भरपाई कर लेता है.

एंटीऑक्सीडेंट - यह शरीर में उपापचय व अन्य सामान्य क्रियाओं के दौरान बननेवाले फ्री-रेडिकल्स से लड़ने में सहायक है. फ्री रेडिकल्स कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और कैंसर तथा हृदयरोगों के कारण बन सकते हैं.

वजन घटाने में सहायक - इसमें फाइबर प्रचुर मात्र में होता है, इसलिए यह मोटापा घटाने के इच्छुक लोगों के लिए आदर्श आहार है. सलाद, सब्जी और जूस में पालक का ज्यादा-से-ज्यादा उपयोग बेहतर होता है.

पोस्टमेनोपॉजल सिंड्रोम - पालक में मौजूद मैग्नीशियम पीएमएस के लक्षणों में कमी लाता है. इस अवस्था में पेट फूलने जैसी शिकायतों से बचने के लिए पालक बेहतर विकल्प है.

प्र ति र क्षा प्रणाली बनाता है मजबूत - पालक में मौजूद पोषक तत्व प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाते हैं और शरीर को सामान्य संक्रमणों से बचाते हैं.

बालों को मिले मजबूती - इसमें बालों के लिए आवश्यक विटामिन भी विशेष मात्र में होते हैं. बाल झड़ने से परेशान लोगों को कच्चे पालक का सेवन करना चाहिए.

ये लोग न करें सेवन - पालक में कैल्शियम और फॉस्फोरस होता है, जो मिल कर कैल्सियम फॉस्फेट बनाता है. यह पानी में घुलता नहीं है, जिससे पथरी बन जाती है. इसलिए पथरी के रोगियों को सिर्फ पालक की सब्जी नहीं खानी चाहिए. पालक और हरी पत्तेवाली मेथी मिला कर साग बना कर खाने से पथरी नहीं बनती है. कच्चे पालक के रस के सेवन करने से भी पथरी नहीं होती है.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुप्रिया और नाना पटोले के ओडियों क्लीप एआई जनरेटेड...जांच में वॉयस नोट्स फर्जी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर वोटिंग से ठीक पहले 19 नवंबर की रात 11 बजे के करीब भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपने आधिकारिक एक्स पर चार ऑडियो क्लिप पोस्ट किए। इन क्लिप की पड़ताल करने पर पता चला कि ये चार में से तीन ऑडियो क्लिप एआई जनरेटेड थे। इसके साथ बीजेपी ने दावा किया कि ये विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के नेताओं, सुप्रिया सुले (एनसीपी शरद पवार), नाना पटोले (कांग्रेस), आईपीएस अधिकारी अमिताभ गुप्ता और एक ऑडिट फर्म के कर्मचारी गौरव मेहता के बीच हुई बातचीत की रिकॉर्डिंग हैं।

बीजेपी ने आरोप लगाया कि ये ऑडियो रिकॉर्डिंग विपक्षी नेताओं सुप्रिया सुले और नाना पटोले ने 2018 के क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी मामले से बिटकॉइन का दुरुपयोग कर राज्य में चुनावों के लिए फंड जुटाने के सबूत हैं। इसके अलावा, ऑडियो क्लिप में शामिल अन्य दो व्यक्ति की आवाजों को लेकर बीजेपी का दावा है कि ये अमिताभ गुप्ता, जो कि फिलहाल भारत तिब्बत सीमा पुलिस के महानिरीक्षक हैं और गौरव मेहता की आवाजें हैं। गौरव एक ऑडिट फर्म, सारथी एसोसिएट्स के कर्मचारी हैं।

पुणे के पूर्व पुलिस अधिकारी रवींद्रनाथ पाटिल ने आरोप लगाया कि सुप्रिया, पटोले, आईपीएस गुप्ता (तत्कालीन पुणे पुलिस आयुक्त), ऑडिट फर्म के कर्मचारी मेहता और आईपीएस अधिकारी भाग्यश्री नवटके बिटकॉइन की हेराफेरी में शामिल थे। बताया जाता हैं कि पाटिल ने दावा किया कि उन्हें नामित लोगों के बीच बातचीत के वॉयस नोट भेजे गए थे। इसके बाद बीजेपी ने एक्स पर इन आरोपों से जोड़कर ये चार कथित वॉयस नोट पोस्ट किए।

इस फर्जी रिकॉर्डिंग में, सुप्रिया और नाना पटोले की आवाजें सुनी जा सकती हैं, जो चार क्रिप्टो वॉलेट्स में संग्रहीत बिटकॉइन के बदले में नकद मांग रहे हैं और मामले की कोई जांच नहीं करने का वादा भी कर रहे हैं। जांच पड़ताल के दौरान पाया कि बीजेपी की ओर से पोस्ट किए गए वॉयस नोट्स फर्जी हैं। इन्हें जनरेटिव एआई तकनीक की मदद से बनाया गया है। इस दौरान हमें चार में से तीन ऑडियो क्लिप के एआई जनरेटेड होने के पर्याप्त सबूत मिले। इन वॉयस नोट्स में से एक महज पांच सेकंड का था, जिसके चलते इसका रिजल्ट अनिर्णायक था, जो संभवतः इसकी छोटी आवधि के कारण था।

महाराष्ट्र चुनाव के बीच वायरल ऑडियो से गरमाई सियासत

महाराष्ट्र में बुधवार (20 नवंबर) को वोटिंग संपन्न हो गई। अब 23 नवंबर को वोटों की गिनती होगी, इसके साथ ही नतीजे सामने आएंगे। वर्तमान में, राज्य का नेतृत्व महायुती गठबंधन कर रहा है, जिसमें मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, बीजेपी और एनसीपी (अजित पवार गुट) शामिल है। विपक्ष में महाविकास अघाड़ी है, जिसमें उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार गुट) के बीच गठबंधन है।

बार-बार मारने की धमकी ना दे, हम डरते नहीं हैं.... सांसद पप्पू यादव ने ऐसा क्यों कहा

कटिहार । सांसद पप्पू यादव ने कहा कि वे ना पाकिस्तान के, ना मलेशिया के और ना ही नेपाल के क्रिमिनल से डरते हैं। बार-बार मारने की धमकी ना दे, जब मन हो आ जाए, हम आम आदमी की तरह रहते हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि उन्हें जान से मारने की धमकियां लगातार मिल रही हैं। धमकी देने वालों में लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम सामने आ रहा है। पप्पू ने बताया कि उन्हें फोन कॉल और मोबाइल एसएमएस के जरिए धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि मुझे मरवाना है तब मरवाएं, लेकिन परिवार की बात नहीं करें। उन्होंने कहा कि 27 तारीख से संसद सत्र शुरू हो रहा है पूर्णिया सांसद यादव ने कहा कि धमकियों को लेकर नीतिश सरकार गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि इसके पीछे कौन लोग हैं ये सामने आना चाहिए। बिना व्यवस्था में बैठे लोगों की सहमति से यह सब होना संभव नहीं है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से पप्पू यादव को लगातार धमकियां मिल रही हैं। बताया जा रहा बिश्नोई गैंग के गुर्गे पप्पू यादव को धमकी दे रहे हैं। 18 नवंबर को पप्पू को पाकिस्तान के नंबर से व्हाट्सएप कॉल आया था। धमकी देकर शख्स ने कहा था कि अगर पप्पू यादव ने लॉरेंस बिश्नोई से माफी नहीं मांगी, तब 24 दिसंबर से पहले जान से मार दिया जाएगा।

आतंकी घुसपैठ का मामला : जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में एनआईए ने की ताबड़तोड़ छापेमारी

जम्मू। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार सुबह जम्मू के कई इलाकों में बड़ी छापेमारी की। यह छापे एक नए दर्ज मामले से संबंधित हैं, जिसमें पाकिस्तान से आतंकवादियों की घुसपैठ का आरोप लगाया गया है। पिछले दिनों घाटी में कई आतंकी घटनाएं हुई हैं। जिसके बाद आतंकियों के खिलाफ सुरक्षबालों का एक्शन भी तेज हो चुका है। एनआईए की इस कार्रवाई को आतंकियों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई के रुप में देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार एनआईए की इस छापेमारी का मकसद पाकिस्तानी आतंकियों के भारत में घुसने के प्रयासों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी जुटाना है। सूत्रों ने बताया कि पुलिस और अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ की मदद से एनआईए के अधिकारी कई स्थानों पर छापेमारी कर रहे हैं। इससे पहले, एनआईए ने 5 अक्टूबर को 5 राज्यों के 22 ठिकानों पर आतंकी साजिश और टेरर फंडिंग के शक में एक साथ छापेमारी की थी। एनआईए की ओर से यह छापेमारी महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, असम और दिल्ली में छापेमारी की गई थी। यह कार्रवाई आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े मामलों को लेकर की गई थी। एनआईए ने जम्मू-कश्मीर में बारामूला और अन्य क्षेत्रों में भी छापेमारी की थी। बारामूला में मौलवी इकबाल भट के घर पर एनआईए ने सुरक्षा बलों की मदद से तलाशी ली थी।

मणिपुर में हिंसा रोकने आठ कंपनियां पहुंची, संवेदनशील इलाकों में होंगी तैनाती

इंफाल। मणिपुर में हिंसा के बीच केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 8 कंपनियां इंफाल पहुंच गई हैं। जिन्हें संवेदनशील और सीमांत इलाकों में तैनात किया जाएगा। एक अधिकारी ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार को सीएपीएफ की 11 कंपनियों का एक और जत्था इंफाल पहुंचा। अधिकारी ने कहा कि सीआरपीएफ और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की चार-चार कंपनियां राज्य के संवेदनशील और सीमांत इलाकों में तैनात की जाएंगी। सीआरपीएफ की कंपनियों में से एक महिला बटालियन की है। केंद्र ने घोषणा की है कि मणिपुर में सीएपीएफ की 50 नई कंपनियां तैनात की जाएंगी। राज्य में हिंसा बढ़ गई है और पिछले सप्ताह पहाड़ी जिले जिरीबाम में कांग्रेस और बीजेपी कार्यालयों में तोड़फोड़ भी की गई थी। सुरक्षा बलों ने विगत दिवस मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह के पैतृक निवास पर हमला करने की आंदोलनकारियों की कोशिश को नाकाम कर दिया था। हिंसा तब और भड़क गई जब 11 नवंबर को सुरक्षा बलों और संदिग्ध कुकी-जो उग्रवादियों के बीच गोलीबारी के बाद जिरीबाम जिले में एक राहत शिविर से मेइती समुदाय की तीन महिलाएं और तीन बच्चे लापता हो गए। इस मुठभेड़ में 10 उग्रवादी मारे गए थे। पिछले कुछ दिनों में इन छह लापता लोगों के शव बरामद किए गए हैं। पिछले साल मई से इम्फाल घाटी स्थित मेइती और आसपास की पहाड़ियों पर बसे कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में 220 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

नतीजा कुछ भी आए.... शरद पवार गुट के नेता ने निकाला विजय जुलूस

मुंबई । महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे शनिवार को आने हैं। इसके पहले पूरे प्रदेश में प्रत्याशियों की धड़कनें तेज हैं। एग्जिट पोल्स में टाइट फाइट दिखाने से टेंशन और बढ़ गई है। इस बीच शरद पवार की एनसीपी के प्रत्याशी ने नतीजों से पहले ही विजय जुलूस निकाल लिया है। इसके अलावा इलाके में उनकी जीत को लेकर समर्थकों ने पोस्टर भी लगा दिए हैं। यह मामला पुणे की खडकवासला सीट का है। यहां से एनसीपी-एसपी के प्रत्याशी सचिन डोडके ने पहले ही जुलूस निकाल लिया है। डोडके का मुकाबला खडकवासला सीट पर भाजपा के भीमराव तापकिर और मनसे के मयूरेश वंजाले से था। भाजपा के भीमराव पहले से विधायक हैं और भाजपा ने फिर से उन्हें भरोसा जताकर टिकट दिया था। 2019 के चुनाव में भी डोडके मुकाबले में उतरे थे, लेकिन महज 2500 वोटों के अंतर से हार गए थे। इस चुनाव में मनसे ने अपने पूर्व विधायक रमेश वंजाले के बेटे मयूरेश को चुनाव में उतारा था। इससे साफ था कि फाइट टाइट है। फिलहाल साफ नहीं है कि नतीजा क्या रहेगा और 23 तारीख का इंतजार है। फिर भी डोडके इतने आत्मविश्वास में हैं कि पहले ही जुलूस निकाल लिया। उनकी जीत के पोस्टर भी इलाके में लग चुके हैं। रैली निकाली गई, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इससे पहले 2019 में भी सचिन डोडके के समर्थकों ने नतीजों से पहले ही उनकी जीत की बधाई वाले पोस्टर लगा दिए थे। हालांकि नतीजा आया तब वह ढाई हजार वोटों के मामूली अंतर से परास्त हो गए।

दिल्ली में केजरीवाल के शीशमहल के खिलाफ भाजपा ने खोला मोर्चा

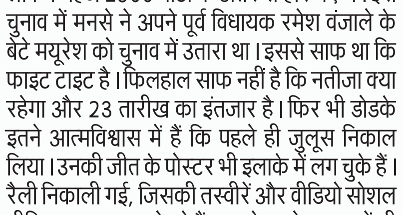

कर्नाटक के शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा एक छात्र पर अपना आपा खो बैठे, जब छात्र ने टिप्पणी की कि वह (मंत्री) कन्नड़ ठीक से नहीं बोलता है। यह घटना सरकारी प्री-डिग्री कॉलेज के छात्रों के लिए राज्य की मुफ्त ऑनलाइन एनईईटी और सीईटी कोचिंग के लॉन्च कार्यक्रम के दौरान हुई, जहां एक अनदेखे छात्र ने लाइव बातचीत के दौरान उल्लेख किया कि मंत्री ठीक से कन्नड़ नहीं बोलते हैं। बयान पर भड़कते हुए, कर्नाटक के शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों से यह पता लगाने की मांग की कि वास्तव में किसने ऐसी टिप्पणी की थी और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इसके बाद राज्य मंत्री को प्रधान सचिव रितेश कुमार को किसी भी कीमत पर मामला नहीं छोड़ने का निर्देश देते हुए भी देखा जा सकता है।

आप में सब कुछ ठीक नहीं, आगामी चुनाव में केजरीवाल के सामने होंगी कई चुनौतियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) नेता और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल की स्थिति इस बार चुनौतीपूर्ण हो सकती है। चुनाव के मद्देनजर कुछ बड़े नेताओं ने पार्टी को अलविदा कह दिया है, जिनमें प्रमुख नाम कुमार विश्वास, कपिल मिश्रा और आशुतोष जैसे नेता शामिल हैं। इसके अलावा, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह जैसे प्रमुख नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोपों से केजरीवाल की छवि को नुकसान हो सकता है।

अभी कुछ दिन पहले ही आप पार्टी के वरिष्ठ नेता कैलाश गहलोत और राज कुमार चौहान ने भी पार्टी दी है, जबकि स्वाति मालीवाल के साथ केजरीवाल का विवाद तूल पकड़ सकता है। स्वाति ने केजरीवाल से कई बार सुलह करने के संकेत दिए, लेकिन केजरीवाल ने इसमें हस्तक्षेप किया। इस कारण से पार्टी के अंदर असंतोष बढ़ सकता है। पार्टी में आतिशी को अस्थायी सीएम बनाने का फैसला भी विपक्ष के लिए एक मुद्दा बन सकता है। हालांकि केजरीवाल ने इसे मास्टरस्ट्रोक माना था, लेकिन पार्टी के अंदर ही इसके असर को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

इस चुनावी दौर में केजरीवाल ने सभी 70 सीटों पर अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए खुद को प्रमुख चेहरा बनाने का फैसला किया है। यह रणनीति बीजेपी द्वारा पीएम नरेंद्र मोदी के चेहरे को प्रमुख बनाकर किए गए प्रयोग जैसा हो सकता है, जो बीजेपी के लिए सफल रहा है, लेकिन आप पार्टी के लिए यह उतना कारगर साबित नहीं हो सकता। इन तमाम आंतरिक और बाहरी चुनौतियों के बीच केजरीवाल के लिए आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करना आसान नहीं दिखता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आईसीए वैश्विक सहकारी सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ करेंगे

– नई दिल्ली के भारत मंडपम् में 25 से 30 नवंबर के दौरान होगा कार्यक्रम

– कार्यक्रम में भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे और फिजी के उप प्रधानमंत्री मनोआ कामिकामिका भी मौजूद रहेंगे

– आईसीए ग्लोबल कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र के बाद 'रोशडेल पायनियर्स अवार्ड्स' प्रदान किए जाएंगे

नई दिल्ली/इन्दौर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ करेंगे। इसकी घोषणा सहकारी संस्था इफको, भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालयऔर अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई।

वैश्विक सहकारी आंदोलन के लिए प्रमुख निकाय, अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) के 130 साल के लंबे इतिहास में पहली बार इफको की पहल परआईसीए महासभा और वैश्विक सहकारी सम्मेलन की मेजबानी भारत द्वारा की जाएगी। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने बताया कि भारत सरकार के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 25 नवंबर 2024 को दोपहर 3 बजे अपनी गरिमामयी उपस्थिति से इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। वे मुख्य अतिथि के रूप में वैश्विक सहकारी सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करेंगे। इस कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष - 2025 पर एक स्मारक डाक टिकट भी जारी किया जाएगा।

इफको लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. उदय शंकर अवस्थी ने बताया कि भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे और फिजी के उप प्रधानमंत्री महामहिम मनोआ कामिकामिका भी सम्मानित अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

उन्होंने यह भी बताया कि यह कार्यक्रम 25 नवंबर से 30 नवंबर 2024 तक भारत मंडपम, आईटीपीओ, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का विषय होगा 'सहकारिता से सभी की समृद्धि का निर्माण' और उप-विषय होंगे -

* सक्षम नीति और उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र
* सभी के लिए समृद्धि बनाने को उद्देश्यपूर्ण नेतृत्व का पोषण
* सहकारी पहचान की पुष्टि
*भविष्य को आकार देना ः21वीं सदी में सभी के लिए समृद्धि का एहसास करना।

सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने बताया कि इस आयोजन का विषय 'सहकारिता से सभी की समृद्धि का निर्माण' भारत सरकार के नारे 'सहकार से समृद्धि' के अनुरूप है, जिसका सही अर्थ है 'सहकारिता के माध्यम से समृद्धि'। अलग सहकारिता मंत्रालय के गठन और अमित शाह के पहले केंद्रीय सहकारिता मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के साथ भारतीय सहकारी क्षेत्र ने सहकारी आंदोलन के विकास और वृद्धि के लिए 54 बड़ी पहलों को शुरू करके राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में अधिक योगदान प्राप्त करते हुए नई उपलब्धियां हासिल की हैं। चाहे वह पैक्स का कंप्यूटरीकरण हो या उन क्षेत्रों में तीन नई बहुराज्यीय सहकारी समितियों का गठन, जहां सहकारी समितियों की राष्ट्रीय स्तर पर उपस्थिति नहीं थी, इन सभी कदमों ने भारत को वैश्विक सहकारी आंदोलन में सबसे आगे रखा है और भारत सबसे तेजी से बढ़ते सहकारी क्षेत्रों में से एक बन गया है। इस कार्यक्रम में रोशडेल पायनियर्स अवार्ड 2025 भी प्रदान किया जाएगा, जो सहकारी समितियों के विकास और अंतर्राष्ट्रीय सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिए उनके बहुमूल्य योगदान के लिए व्यक्तियों या संगठनों को दिया जाता है।

सहकारी संस्था इफको लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. उदय शंकर अवस्थी ने कहा, इस सम्मेलन का विषय सहकारिता सभी के लिए समृद्धि का निर्माण करती है है। हमारा दीर्घकालिक उद्देश्य एक ऐसा सहकारी आंदोलन बनाना है जो समृद्ध और सुरक्षित हो। विचारों के आकर्षक आदान-प्रदान के लिए अपने घर में अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों की मेजबानी करना हमारे लिए सम्मान की बात है।

इफको ने हमेशा भारतीय किसानों के हितों को अपने दिल में रखा है। यही वजह है कि इस सम्मेलन का उपयोग भारतीय गांव की थीम पर स्थापित हाट में भारतीय सहकारी समितियों के उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित करने के लिए किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) दुनिया भर में सहकारी समितियों की आवाज है। यह एक गैर-लाभकारी अंतर्राष्ट्रीय संघ है जिसकी स्थापना वर्ष 1895 में सहकारी सामाजिक उद्यम मॉडल को आगे बढ़ाने के लिए की गई थी।

बिहार के आश्रय गृह में मौत का मामला, एनएचआरसी ने नीतीश सरकार को जारी किया नोटिस

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने बिहार के पटना के पटेल नगर इलाके में एक आश्रय गृह में खाद्य विषाक्तता की घटना की मीडिया रिपोर्टों के जवाब में स्वतः संज्ञान शुरू किया है। 7-11 नवंबर, 2024 के बीच हुई इस घटना ने मानसिक स्वास्थ्य और बेघर महिलाओं की सुविधा में 13 महिला कैदियों को प्रभावित किया। दुखद रूप से, तीन महिलाओं की जान चली गई, जबकि अन्य में रात का खाना खाने के बाद उल्टी और दस्त जैसे लक्षण विकसित हुए।

प्रभावित लोगों को जल्द ही इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (पीएमसीएच) में स्थानांतरित कर दिया गया। घटना के मद्देनजर बिहार सरकार के विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण निदेशालय द्वारा वित्त पोषित आवास अब कथित तौर पर जांच के दायरे में है। एनएचआरसी ने इस मामले से उजागर हुए संभावित मानवाधिकार उल्लंघनों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। आयोग ने इस बात पर जोर दिया कि, कानूनी संरक्षक के रूप में, शरण अधिकारी अपनी देखभाल के तहत कैदियों के कल्याण के लिए जिम्मेदार हैं। परिषद ने इस घटना को एक गंभीर मामला बताया जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

रिपोर्ट के मद्देनजर एनएचआरसी ने बिहार के मुख्य सचिव को नोटिस भेजकर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट देने का अनुरोध किया है. ÷रिपोर्ट में पीड़ितों की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति, प्रभावित व्यक्तियों या उनके परिवारों को मुआवजा प्रदान किया गया है या नहीं और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए बिहार सरकार द्वारा उठाए गए उपाय शामिल होने चाहिए।÷ 14 नवंबर, 2024 को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आश्रय गृह के निरीक्षण से पता चला कि कैदी अस्वच्छ परिस्थितियों में रह रहे थे। इसके अलावा, सुविधा में भोजन तैयार करने की प्रक्रिया उचित स्वच्छता मानकों को बनाए रखने में अपर्याप्त पाई गई, जिसने भोजन विषाक्तता में योगदान दिया हो सकता है।

उमर अब्दुल्ला ने किया पूंछ का दौरा, कहा- 24 अलग-अलग प्रतिनिधिमंडलों से मैं खुद मिला

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने डाक बंगले में पुंछ में विकास परियोजनाओं पर 21 सार्वजनिक प्रतिनिधिमंडलों के साथ बैठक की। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि चुनाव के बाद जमीनी हालात का जायजा लेने के लिए आज हम पुंछ आए थे। जम्मू में ये पहला जिला है जहां हमने विकास के हवाले से अधिकारियों की बात सुनी है। यहां लोगों द्वारा चुने गए प्रतिनिधि भी मौजूद थे। अफसरों से बातचीत हुई, कुछ मुद्दों के लिए वहीं उन्हें जवाबदेह बनाया गया। हमारा फर्ज है कि हम लोगों के साथ तालमेल बनाए रखें। आज लगभग 24 अलग-अलग प्रतिनिधिमंडलों से मैं खुद मिला और यहां जो भी कमियां हैं उसके लिए हिदायत दी गई है।

इससे पहले मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उनके लिए विशेष रूप से रखी गई बड़ी कुर्सी पर बैठने से इनकार कर दिया। अब्दुल्ला ने चट्ठा स्थित शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसकेयूएएसटी) के मुख्य परिसर में चार दिवसीय 'राष्ट्रीय कृषि शिखर सम्मेलन एवं किसान मेले' का उद्घाटन किया। मंच पर पहुंचे अब्दुल्ला ने देखा की उनकी कुर्सी बड़ी थी। उन्होंने एसकेयूएएसटी के प्रबंधन से उनके लिए भी मंच पर बैठे अन्य लोगों जैसी कुर्सी रखने का अनुरोध किया। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जम्मू के प्रति चिंता नहीं होने का आरोप लगाते हुए कहा कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित करेगी। पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने दरबार मूव के महत्व पर भी जोर दिया और उसे एक ऐसी परंपरा बताया जो दोनों क्षेत्रों के बीच एकता और सद्भाव को बढ़ावा देती थी। इसके तहत सरकार श्रीनगर और जम्मू से छह-छह महीने तक काम करती थी।

प्रदूषण का कहर: यूपी, हरियाणा, राजस्थान में सैकड़ों स्कूलों में छुट्टी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्राकृतिक आपदाओं के अलावा अब मानव निर्मित आपदा(प्रदूषण) ने कहर बरपाना शुरु कर दिया है। यूपी, हरियाणा, राजस्थान सहित कई राज्यों में सांस लेना मुश्किल हो गया है। दिल्ली के स्कूल और यूनिवर्सिटी बंद कर दिए गए। यहां पर 23 नवंबर तक ऑनलाइन क्लासेज चलेंगी। इसी तरह यूपी के 6 जिलों में भी वायु प्रदूषण के कारण स्कूल बंद कर दिए गए हैं। दिल्ली से सटे नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ आदि जिलों के 12वीं तक के स्कूल पहले ही बंद करने के आदेश दिए गए थे। अब वायु प्रदूषण के कारण उत्तर प्रदेश के हापुड़, बुलंदशहर, बागपत आदि जिलों के भी स्कूल बंद करने के आदेश जारी किए गए हैं। यहां भी प्रशासन ने एहतियातन इंटरमीडिएट तक के स्कूल और कॉलेज आगामी आदेश तक बंद रखने को कहा है।

उत्तर प्रदेश के इन जिलों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) काफी बढ़ गया है। गाजियाबाद में एक्यूआई 367, मेरठ का 248, बुलंदशहर का 322, और बागपत का 187 है, जबकि सबसे अधिक एक्यूआई हापुड़ का है। यहां यह इंडेक्स 519 तक पहुंच गया है, जिसके कारण यहां के स्कूलों को बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं। दिल्ली से सटे हरियाणा के गुरुग्राम, फरीदाबाद आदि जिलों के स्कूल तो पहले ही बंद रखने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इसके अलावा भी कई जिलों में स्कूलों को बंद रखने के आदेश हैं। हरियाणा के रेवाड़ी के जिलाधिकारी अभिषेक मीणा ने प्रदूषण के कारण 12वीं तक की कक्षाएं न लगाने के आदेश जारी किए हैं। जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूल 23 नवंबर तक बंद रहेंगे। भिवानी जिले के डीसी महाबीर कौशिक ने 12वीं तक के सरकारी और निजी स्कूलों को बंद रखने के निर्देश दिए हैं। यहां पर आगामी आदेशों तक स्कूल बंद रहेंगे और ऑनलाइन क्लासेज चलाई जाएंगी। चरखी दादरी जिले के स्कूलों को भी बढ़ते प्रदूषण के कारण 23 नवंबर तक बंद रखने के निर्देश हैं। जिलाधीश मुनीष शर्मा ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं।

राजस्थान में पहली बार प्रदूषण के कारण स्कूल बंद रखा गया है। यहां के खैरथल जिले के स्कूलों को बंद रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। यहां के कलेक्टर किशोर कुमार ने सभी निजी व सरकारी स्कूलों के अवकाश की घोषणा की है। यह आदेश पांचवीं तक के स्कूलों के लिए जारी किया गया है, जो आगामी आदेश तक लागू रहेगा। राजस्थान के भी कई जिलों का एयर क्वालिटी इंडेक्स काफी बढ़ा हुआ है। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि राजस्थान के लगभग 25 जिलों का एक्यूआई लेवल मंगलवार को औसतन 200 है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ब्रिटेन में हजारों किसानों ने ट्रैक्टरों सहित संसद के बाहर किया प्रदर्शन

लंदन, एजेंसी। हजारों ब्रिटिश किसानों ने मंगलवार को संसद के बाहर प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने एक नए कर नियम के खिलाफ आवाज उठाई। उनका कहना है कि यह नियम पारिवारिक खेती को बर्बाद कर देगा। किसान बैनर, टॉय ट्रैक्टर और नारों के साथ सड़कों पर उतरे। सरकार के फैसले से गुस्साए किसानों का कहना है कि अगर उनकी बात नहीं सुनी गई, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे। सरकार ने हाल ही में बजट में एक पुराने कर छूट नियम को समाप्त करने का फैसला किया है। यह नियम कृषि भूमि को इनहेरिटेंस टैक्स से छूट देता था। अप्रैल 2026 से, 10 लाख पाउंड (लगभग 13 करोड़ रूपए) से अधिक मूल्य वाली कृषि भूमि पर मालिक की मृत्यु के बाद इसे अगली पीढ़ी को देने पर 20 प्रतिशत टैक्स लगेगा। किसानों का कहना है कि यह नियम उनके लिए अंतिम झटका साबित होगा। प्रदर्शन के सह-आयोजक ओल्ली हैरिसन ने कहा, हर कोई नाराज है। हम सड़कों को जाम करने और फ्रांस के किसानों जैसे विरोध की तैयारी में हैं। किसानों ने डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर प्रदर्शन किया। कुछ ट्रैक्टरों पर द फाइनल स्ट्रॉ और नो फार्मर्स, नो फूड जैसे नारों के पोस्टर लगे हुए थे। बच्चों ने छोटे ट्रैक्टरों के साथ संसद स्क्वायर के आसपास मार्च निकाला। मशहूर टीवी होस्ट और किसान जेरेमी क्लार्कसन भी इस रैली में शामिल हुए। 1,800 किसानों को नेशनल फार्मर्स यूनियन (एनएफयू) ने संसद के अंदर जाकर सांसदों से बात करने का मौका दिया। एनएफयू के अध्यक्ष टॉम ब्रैडशॉ ने कहा, यह नीति ब्रिटेन की खाद्य सुरक्षा को खतरे में डाल रही है। किसानों का कहना है कि ब्रेक्सिट, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक अस्थिरता के कारण उनकी आर्थिक स्थिति पहले से ही खराब है। अब यह नया कर नियम उनके लिए असहनीय है। किसानों की औसत आय पहले से ही कम हो गई है। उदाहरण के लिए, मवेशी पालने वाले किसानों की औसत आय केवल 17,000 पाउंड (21 लाख रूपए) है। प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की सरकार का कहना है कि 75 प्रतिशत किसानों पर यह कर लागू नहीं होगा। इसके अलावा, कई छूट के कारण किसान दंपति अपनी संपत्ति का 30 लाख पाउंड (39 करोड़ रूपए) तक टैक्स-मुक्त हस्तांतरण कर सकते हैं। पर्यावरण मंत्री स्टीव रीड ने कहा, यह कर उन अमीर लोगों से वसूला जाएगा जिन्होंने निवेश के लिए कृषि भूमि खरीदी है। इससे युवा किसानों के लिए जमीन खरीदना महंगा हो गया है। किसानों का कहना है कि कृषि भूमि का कागजी मूल्य अधिक हो सकता है, लेकिन उनकी वास्तविक आय बहुत कम होती है। अगर यह नियम वापस नहीं लिया गया।

संक्षिप्त समाचार

हमारे नेता कतर छोड़ नहीं गए तुर्की, इजरायल के दावे पूरी तरह से अफवाह-हमास

गाजा, एजेंसी। हमास ने उन खबरों का खंडन किया है जिनमें दावा किया गया था कि उसके कुछ नेता कतर से तुर्की चले गए हैं। एक आधिकारिक बयान में, हमास के सूत्रों ने सोमवार को कहा कि इजरायली मीडिया द्वारा फैलाए गए दावे पूरी तरह से अफवाहें हैं जिन्हें इजरायल समय-समय पर बढ़ावा देने का प्रयास करता है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, रविवार को इजरायली मीडिया ने खबर दी कि विदेश में स्थित हमास के कई नेता हाल ही में कतर से तुर्की चले गए हैं। इससे पहले सोमवार को तुर्की के विदेश मंत्रालय ने इजरायली मीडिया की रिपोर्टों का खंडन करते हुए कहा कि हमास के राजनीतिक ब्यूरो के तुर्की में स्थानांतरित होने के दावे सच्चाई को नहीं दर्शाते हैं। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने गाजा में तत्काल युद्धविराम लागू करने और मध्य पूर्व में परमाणु हथियार मुक्त क्षेत्र बनाने की अपील की। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, यूएन चीफ ने यह बात परमाणु हथियारों और अन्य सामूहिक विनाश के हथियारों से मुक्त मध्य पूर्व क्षेत्र की स्थापना- विषय पर सम्मेलन के पांचवें सत्र में एक वीडियो संदेश में कही। गुटेरेस ने कहा कि इस तरह के क्षेत्र का विचार दशकों पुराना है, लेकिन क्षेत्रीय संघर्षों और तनावों के चरम पर पहुंचने के साथ, यह लक्ष्य दिन-प्रतिदिन और अधिक जरूरी होता जा रहा है। यूएन महासचिव ने कहा कि एक साल से अधिक समय से गाजा एक विनाशकारी दौर से गुजर रहा है। यह संकट पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में लेने की चेतावनी दे रहा है। इस बीच हम सभी लेबनान में बढ़ते तनाव से चिंतित हैं। 7 अक्टूबर इजरायल में हमास के बड़े हमले के जवाब में यहूदी राष्ट्र ने फिलिस्तीनी ग्रुप के कब्जे वाली गाजा पट्टी में सैन्य अभियान शुरू किया था। हमास के हमले में करीब 1200 लोग मारे गए थे जबकि 250 से अधिक लोगों को बंधक बनाया गया था। इजरायली हमलों ने गाजा में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है और हजारों फिलिस्तीनियों की मौत हुई है। इसके साथ ही इजरायली सेना 23 सितंबर से लेबनान पर एयर स्ट्राइक कर रही है। उसने सीमा पार एक सीमित जमीनी अभियान भी चलाया है, जिसका उद्देश्य कथित तौर पर हिजबुल्लाह को कमजोर करना है।

डब्ल्यूडब्ल्यूई की पूर्व सीईओ बनेंगी अमेरिका की शिक्षा मंत्री, डोनाल्ड ट्रंप का ऐलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद डोनाल्ड ट्रंप लगातार विभागों का बंटवारा कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने शिक्षा विभाग का जिम्मा लोकप्रिय डब्ल्यूडब्ल्यूई यानी वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट की सीईओ और पेशेवर कुश्ती खिलाड़ी लिंडा मैकमोहन को सौंपा है। इससे पहले वह अरबपति एलन मस्क समेत कई बड़े नामों को सरकार का काम सौंप चुके हैं। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने मैकमोहन को शिक्षा विभाग का मंत्री नामित किया है। हालांकि, इससे पहले भी वह ट्रंप सरकार का हिस्सा रह चुकी हैं। मैकमोहन ने 2017 से 2019 तक ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान लघु व्यवसाय प्रशासन का नेतृत्व किया था। वह कनेक्टिकट में अमेरिकी सीनेट के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार के रूप में दो बार चुनाव लड़ीं लेकिन असफल रहीं। मैकमोहन ने 2009 से एक साल तक 'कनेक्टिकट बोर्ड ऑफ एजुकेशन' में काम किया और कनेक्टिकट में 'सेक्रेड हार्ट यूनिवर्सिटी' के 'बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज' में कई साल बिताए। शिक्षा जगत में उन्हें अपेक्षाकृत अज्ञात माना जाता है, हालांकि उन्होंने 'चार्टर स्कूलों' और 'स्कूल चॉइस' के लिए समर्थन व्यक्त किया है। अमेरिका में 'चार्टर स्कूल' सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित स्कूल होते हैं जो अपने स्थानीय जिले से स्वतंत्र रूप से संचालित होते हैं। 'स्कूल चॉइस' शिक्षा के विकल्पों को दर्शाता है जिसके तहत छात्रों और परिवारों को सार्वजनिक स्कूलों के विकल्प चुनने की अनुमति मिलती है। मैकमोहन ने अमेरिकी सीनेट के चुनाव के लिए 2009 में डब्ल्यूडब्ल्यूई को अलविदा कह दिया था। उन्हें ट्रंप के लिए बड़ा डोनेशन देने वालों में गिना जाता है।

तीसरे विश्व युद्ध का खतरा मंडराया, यूरोपीय देशों ने भोजन, पानी जमा करने को कहा

ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे ने आपातकालीन पुस्तिकाएं भी जारी कीं जिसमें लोगों को संपूर्ण युद्ध सहित किसी आपातकालीन स्थिति में एक सप्ताह तक प्रबंधन करने की सलाह दी गई। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन-रूस युद्ध को खतरनाक रूप से बढ़ाते हुए, यूक्रेनी बलों ने मंगलवार देर रात रूस के ब्रांस्क क्षेत्र में छह अमेरिकी निर्मित लंबी दूरी की मिसाइलें दागीं। इसे मॉस्को द्वारा एक बड़े उकसावे के रूप में देखा जाएगा और एक जोरदार जवाबी कार्रवाई की संभावना है। कई नाटो देश अपने नागरिकों से युद्ध के लिए तैयार रहने को कह रहे हैं। परमाणु युद्ध का खौफनाक ख़तरा पहले से कहीं ज्यादा नजदीक नजर आ रहा है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उस सीमा को कम कर दिया जब रूस परमाणु हथियारों का उपयोग कर सकता था। यह तब हुआ जब यूक्रेन ने रूस के अंदर लक्ष्यों पर लंबी दूरी की छह अमेरिकी मिसाइलें दागीं। नाटो देशों ने युद्ध की आशंका गहराने की आशंका को भांपते हुए अपने नागरिकों को पर्चे जारी किए, जिसमें उन्हें युद्ध की तैयारी करने की सलाह दी गई।

रूस के भीतर लंबी दूरी की मिसाइलों के इस्तेमाल के विरोध में स्लोवाकिया, पीएम फिको ने की अमेरिकी फैसले की आलोचना

ब्राटिस्लावा, एजेंसी। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने सोमवार को यूक्रेन द्वारा रूस के खिलाफ लंबी दूरी की अमेरिकी

मिसाइलों के इस्तेमाल करने का विरोध किया है। यह जानकारी स्लोवाकिया गणराज्य की समाचार एजेंसी (टीएएसआर) ने दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने अमेरिकी मीडिया के हवाले से बताया कि यूक्रेन संकट पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपनी प्रशासनिक नीति में बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत बाइडेन ने कीव को रूस के अंदर हमला करने के लिए अमेरिका द्वारा आपूर्ति की गई लंबी दूरी की मिसाइलों का उपयोग करने की अनुमति दे दी है। एसोसिएटेड प्रेस, द न्यूयॉर्क टाइम्स और द वाशिंगटन पोस्ट सहित अमेरिकी मीडिया संस्थानों ने दो अज्ञात अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि इस हरी झंडी से यूक्रेनी सेना को अमेरिका निर्मित एटीएसीएमएस मिसाइलों को पहली बार उपयोग करने की अनुमति मिल जाएगी। टीएएसआर की रिपोर्ट के अनुसार, फिको ने देश के विदेश मंत्री जुराज ब्लानर और रक्षा मंत्री रॉबर्ट कालिनाक को इस कदम का समर्थन न करने का निर्देश दिया। रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी कार्यालय ने फिको के हवाले से कहा, यह तनाव में अभूतपूर्व वृद्धि है। बता दें कि सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन को रूस पर हमला करने के लिए लंबी दूरी की अमेरिकी मिसाइलों का इस्तेमाल करने की हरी झंडी दे दी। अमेरिकी मीडिया की खबरों के मुताबिक उत्तर कोरिया की ओर से युद्ध में मास्को की मदद के लिए हजारों सैनिकों की कथित तैनाती के जवाब में यूएस प्रेसिडेंट ने यह फैसला लिया है। सोल और वाशिंगटन दोनों ने इस बात का दावा कर रहे हैं कि रूस के पश्चिमी सीमावर्ती कुर्स्क क्षेत्र में तैनात उत्तर कोरियाई सैनिकों ने यूक्रेनी सेना के खिलाफ लड़ाई शुरू कर दी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की लंबे समय से यह मांग करते आए हैं कि रूस के अंदर लक्ष्यों को भेदने के लिए कीव को आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम (एटीएसीएमएस) का इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाए। एटीएसीएमएस 300 किमी (186 मील) तक जा सकती हैं।

रूस ने भारत-चीन संबंधों के लिए समर्थन दोहराया, कहा- हर संभव तरीके से योगदान करने के लिए तैयार

मास्को, एजेंसी। पेसकोव ने पुष्टि की कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा की योजना बनाई जा रही है, फिलहाल तारीखों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। पेसकोव ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि जल्द ही हम उनकी यात्रा की सटीक तारीखों पर काम करेंगे। बेशक, प्रधान मंत्री मोदी की दो रूस यात्राओं के बाद, अब हमारे पास राष्ट्रपति की भारत यात्रा है, इसलिए हम इसकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह यात्रा 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद पुतिन की पहली भारत यात्रा होगी। रूसी राष्ट्रपति के प्रेस सचिव दिमित्री पेसकोव ने भारत और चीन के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए मास्को की प्रतिबद्धता दोहराई। पेसकोव ने कहा कि हम दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए हर संभव तरीके से योगदान देने के लिए तैयार हैं। एएनआई से बात करते हुए, पेसकोव ने रूस के तटस्थ रुख पर जोर दिया और रूस के कज़ान में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हालिया द्विपक्षीय बैठक के दौरान एक मेजबान के रूप में अपनी भूमिका पर प्रकाश डाला। हमें खुशी है कि दोनों नेताओं को कज़ान में अपनी द्विपक्षीय बैठक करने का अवसर मिला। यह दुनिया में हर किसी के लिए वास्तव में अच्छी खबर थी। लेकिन फिर, यह भारत और चीन की एक द्विपक्षीय पहल थी।

पूर्व कनाडाई पीएम हार्पर ने ट्रूडो सरकार को फटकारा, कहा- खालिस्तानियों और जिहादियों को बढ़ावा देना बंद करो

टोरंटो, एजेंसी। पूर्व कनाडाई प्रधानमंत्री स्टीफन हार्पर ने कनाडा की ट्रूडो सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि वह खालिस्तानियों और जिहादियों जैसे विभाजनकारी समूहों को बढ़ावा देना बंद करे। हार्पर, जो 2006 से 2015 तक कनाडा के प्रधानमंत्री रहे, ने कनाडा की आव्रजन और विदेशी नीतियों की तीखी आलोचना की। हार्पर ने यह टिप्पणी अब्राहम ग्लोबल पीस इनिशिएटिव (एजीपीआई) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में की। इस दौरान उन्होंने एजीपीआई के संस्थापक और सीईओ एवी बैनलो के साथ चर्चा की। बैनलो ने नेशनल पोस्ट में प्रकाशित अपने लेख में हार्पर के बयान को उद्धृत करते हुए लिखा कि हार्पर ने कहा, हमें जिहादियों, यहूदी विरोधियों, खालिस्तानियों, तमिल टाइगर्स और अन्य विभाजनकारी समूहों को बढ़ावा देना बंद करना होगा। हमें अपनी आव्रजन प्रणाली पर सख्त सवाल उठाने की जरूरत है कि हम लोगों को कैसे चुनते हैं।

हार्पर का यह बयान ऐसे समय आया है जब कनाडा और भारत के संबंध बेहद तनावपूर्ण हैं। उनके प्रधानमंत्री कार्यकाल में दोनों देशों के रिश्ते मजबूत थे, लेकिन वर्तमान में दोनों के बीच तनाव बढ़ गया है। तनाव तब बढ़ा जब कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंसियों पर आरोप लगाए। भारत ने इन आरोपों को सख्ती से खारिज कर दिया और ट्रूडो से सबूत मांगे, जो उन्होंने अभी तक पेश नहीं किए हैं। हार्पर ने खालिस्तानी मुद्दे को कनाडा की नीतियों का हिस्सा बनाने पर सवाल उठाया और कहा कि आव्रजन नीति में सुधार की जरूरत है।

उन्होंने यह भी कहा कि कनाडा को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यहां विभाजनकारी विचारधाराओं को बढ़ावा न मिले। हम अपने समाज में पुराने नफरतों को नहीं ला सकते। इसे रोकने के लिए हमें कदम उठाने होंगे। वर्तमान प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तानी समर्थकों के बारे में कहा कि वे पूरे सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते। उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारत समर्थक हिंदू भी पूरे हिंदू समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते। हालांकि, ट्रूडो को खालिस्तानी समूहों के प्रति नरम रुख रखने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा है। हार्पर ने कनाडा की आव्रजन नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह नीति उन लोगों को शामिल कर रही है जो विभाजनकारी और हिंसक विचारधारा रखते हैं। उन्होंने एजीपीआई कार्यक्रम में यह भी कहा कि कनाडा को अपनी नीतियों को संतुलित करना होगा ताकि बहुसंस्कृतिवाद के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

ब्राजील के राष्ट्रपति ने पीएम नरेंद्र मोदी से कहा, भारत के जी-20 अनुभव से बहुत कुछ सीखा

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इंसियो लूला दा सिल्वा ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान उन्होंने स्वीकार किया कि ब्राजील ने दो दिवसीय जी-20 रियो शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए भारत के अनुभव से बहुत कुछ सीखा है। राष्ट्रपति लूला ने पीएम मोदी की दूसरे और अंतिम दिन की बैठक के शुरुआत में म्यूजियम ऑफ मॉडर्न आर्ट में द्विपक्षीय बैठक में उनका स्वागत किया।

बैठक के बाद ब्राजील के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को भूख और गरीबी के खिलाफ वैश्विक गठबंधन में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया और पिछले वर्ष जी-20 के आयोजन के लिए उन्हें बधाई दी। लूला ने कहा कि ब्राजील ने रियो शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए भारतीय अनुभव से बहुत कुछ सीखा है। बैठक के दौरान, राष्ट्रपति लूला ने 2025 में सरकार, वैज्ञानिक समुदाय और व्यापारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत की यात्रा

करने की अपनी इच्छा भी व्यक्त की। पीएम मोदी ने कहा कि भारत को अगले साल राष्ट्रपति लूला और प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने में खुशी होगी और वह 2025 में ब्राजील की राजकीय यात्रा की दिशा में काम करेंगे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, रियो डी जेनेरियो में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति लूला के साथ बातचीत की। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान ब्राजील द्वारा किए गए विभिन्न प्रयासों के लिए उनकी सराहना की। हमने अपने देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों का मूल्यांकन किया और ऊर्जा, जैव ईंधन, रक्षा, कृषि आदि क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की। पीएम मोदी ने जी-20 के कार्य को जारी रखने और समूह के एजेंडे के मुद्दों पर प्रगति के लिए ब्राजील की अध्यक्षता की प्रशंसा की। दोनों नेताओं ने जैव ईंधन, रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्रों में सहयोग पर भी चर्चा की। रियो शिखर सम्मेलन पिछले वर्ष के जी-20 नई दिल्ली शिखर सम्मेलन की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाता है, जहां विशेष रूप से उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से संबंधित अनेक मुद्दों पर चर्चा की गई थी। बैठक में ब्राजील के मंत्री माउरो विएरा (विदेश मामले), फर्नांडो हद्दाद (वित्त), एलेक्जेंडर सिल्वेरा (खान और ऊर्जा), लुसियाना सैंटोस (विज्ञान और प्रौद्योगिकी), साथ ही विकास, उद्योग और वाणिज्य मंत्रालय के कार्यकारी सचिव मार्सिओ एलियास रोजा ने भी भाग लिया।

पोलियो के खिलाफ पाकिस्तान की लंबी लड़ाई का अंत नहीं, सक्रिय मामले 50 तक पहुंचे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पोलियो को जड़ से मिटाने के लिए पाकिस्तान का संघर्ष जारी है। खैबर पख्तूनख्वा (केपी) और बलूचिस्तान प्रांतों से नए मामले सामने आने के बाद मंगलवार को देश में सक्रिय पोलियो मामलों की कुल संख्या 50 तक पहुंच गई। अब तक बलूचिस्तान से कम से कम 24 मामले, सिंध से 13, खैबर पख्तूनख्वा (केपी) से 11, पंजाब और इस्लामाबाद से एक-एक मामले सामने आए हैं। मंगलवार को एक बच्ची में वाइल्ड पोलियोवायरस (डब्ल्यूपीवी1) पाया गया, जो केपी के टैंक जिले से पोलियो वायरस का दूसरा मामला है।

पाकिस्तान के कुछ क्षेत्रों में पोलियो टीकाकरण अभियान का विरोध भी हो रहा है और यहां तक ??कि स्वास्थ्य कर्मियों पर भी हमला हुआ है जिसमें लोगों की जान भी गई। टारगेटेड अटैक के खत्म होने का कोई संकेत नहीं दिखने के कारण, पोलियो टीकाकरण अभियान को सुचारू रूप से चलाना लगभग असंभव हो गया है, जिससे बच्चों के संक्रमित होने की संभावना बढ़ गई है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के विभिन्न भागों में पोलियो के मामलों में उत्साहजनक गिरावट देखी गई है। हालांकि उसने चेतावनी दी है कि नवीनतम मामलों का पता चलना एक खतरनाक और चिंताजनक संकेत है। यह दर्शाता है कि कई जिलों में बच्चे अभी भी जोखिम में हैं। पाकिस्तान और पड़ोसी अफगानिस्तान, दुनिया के दो ऐसे देश हैं जहां पोलियो अभी भी स्थानिक है। अतीत में, पाकिस्तान ने सालाना 300 मिलियन से अधिक ओरल वैक्सीन लगाए हैं। लेकिन यह बीमारी देश में अभी भी व्याप्त है।

कई विश्लेषकों ने पोलियो वायरस के प्रसार को संभालने में पाकिस्तान सरकार की निरंतर नाकामी पर सवाल उठाए हैं। पाकिस्तान में पोलियो टीकाकरण अभियान के प्रति विरोध तब बढ़ा जब अमेरिकी जासूसी एजेंसी सीआईए ने देश में अल-कायदा नेता ओसामा बिन लादेन का पता लगाने के लिए एक फर्जी हेपेटाइटिस टीकाकरण अभियान चलाया।

दुनिया के सबसे वॉन्टेड आतंकवादियों में से एक, बिन लादेन को 2011 में केपी के एबटाबाद में यूएस नेवी सील के ऑपरेशन में मार दिया गया। कई धार्मिक नेताओं का यह भी मानना ??है कि पोलियो टीकाकरण की बूंदों में सूअर का मांस और शराब के अंश होते हैं, जो इस्लाम में निषिद्ध है।

पाकिस्तान की अदालत ने दंगों को लेकर पूर्व विदेश मंत्री कुरैशी पर तय किए आरोप

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की आतंकवाद रोधी अदालत ने पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी और 20 अन्य लोगों के खिलाफ नौ मई 2023 के दंगों के संबंध में आरोप तय कर दिए हैं। अदालत के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के उपाध्यक्ष कुरैशी ने सोमवार को कोट लखपत जेल में सुनवाई के दौरान तय किए गए आरोपों को बेबुनियाद करार दिया और इन्हें राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि ये मामले पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ नेतृत्व को दबाने के लिए गढ़े गए हैं।

जिन वरिष्ठ नेताओं पर आरोप तय किए गए हैं उनमें पीटीआई की पंजाब इकाई के अध्यक्ष यास्मीन रशीद, सीनेटर एजाज चौधरी, पंजाब के पूर्व राज्यपाल उमर सरफराज चीमा, पूर्व प्रांतीय मंत्री मियां महमूदुर राशिद, पूर्व सांसद आलिया हमजा, रूबीना जमील तथा सोशल मीडिया कार्यकर्ता सनम जावेद शामिल हैं। सुनवाई की अध्यक्षता आतंकवाद रोधी अदालत के न्यायाधीश मंज़र अली खान ने की। एक विशेष अभियोजक ने आरोप पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें थाने पर हमला करने, सार्वजनिक संपत्ति को आग लगाने और कानून प्रवर्तन कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार जैसे आरोप शामिल थे। अदालत के अधिकारी के मुताबिक, सभी आरोपियों ने आरोपों से इनकार किया और खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष के पास अपने दावों को पुष्ट करने के लिए सबूतों का अभाव है। अदालत ने अभियोजन पक्ष को 25

नवंबर को होने वाली अगली सुनवाई के दौरान अपने गवाह पेश करने का निर्देश दिया।

नौ मई 2023 को खान की पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिन्ना हाउस (लाहौर कोर कमांडर हाउस), मियांवाली एयरबेस और फैसलाबाद में आईएसआई भवन समेत एक दर्जन सैन्य प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की। रावलपिंडी में सेना मुख्यालय पर भी पहली बार भीड़ ने हमला किया। पत्रकारों से बात करते हुए कुरैशी ने खान के प्रति अपनी निष्ठा जतायी। खान अगस्त 2023 से 200 से अधिक मामलों को लेकर जेल में बंद हैं। कुरैशी ने इन मामलों को बेबुनियाद और राजनीति से प्रेरित बताया और कहा कि इन्हें पीटीआई नेतृत्व को दबाने और उन्हें अवैध रूप से जेल में रखने के लिए गढ़े गए हैं। कुरैशी ने पीटीआई कार्यकर्ताओं और समर्थकों से 24 नवंबर को इस्लामाबाद में प्रस्तावित विरोध मार्च में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह रैली राजनीतिक कैदियों की आजादी, स्वतंत्र न्यायपालिका की बहाली और इमरान खान की रिहाई के लिए है।

ईरान में जेल में बंद नोबेल विजेता नरगिस मोहम्मदी की सेहत को लेकर चिंताएं बढ़ीं : तेहरान, एजेंसी। ईरान में जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी एक जटिल सर्जरी से गुजरीं, जिसके तहत उनके दाएं पैर की एक हड्डी का कुछ हिस्सा कैंसर की आशंका के चलते हटा दिया गया। हालांकि, अधिकार समूहों के मुताबिक, नरगिस को सर्जरी के महज दो दिन बाद वापस जेल भेज दिया गया, जिससे उनकी सेहत को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) को भेजे गए 40 से अधिक अधिकार समूहों के हस्ताक्षर वाले एक पत्र में नरगिस को उन आरोपों में सुनाई गई जेल की सजा से तत्काल चिकित्सकीय फर्लो पर रिहा करने का आग्रह किया गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ऑफ़सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ख्यातिकांड के फरार आरोपियों के घरों से शराब बरामद
चिराग राजपूत के घर से 40 बोतल
क्राइम ब्रांच सभी बैंक खातों को सील करेगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद के ख्यातिकांड मामले में शिकायत दर्ज होने के बाद फरार आरोपियों के ठिकानों पर छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में शराब बरामद की गई। चिराग राजपूत के घर से 40 बोतलें और कार्तिक पटेल के घर से 2 बोतलें बरामद हुईं। इसके अलावा, क्राइम ब्रांच ने आरोपियों की संपत्ति की जांच शुरू कर दी है और उनके सभी बैंक खातों को सील करने की प्रक्रिया में है। जांच अधिकारियों का मानना है कि आरोपी अपने खातों का उपयोग अवैध धन को छिपाने और ट्रांजेक्शन करने में कर सकते हैं।

पुलिस अब इनसे जुड़े अन्य सबूत जुटाने और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश बढ़ा रही है।

मामले की जांच संभालने के बाद अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की टीम सिंधु भवन रोड स्थित कार्तिक पटेल के बंगले पर जांच के लिए पहुंची। जांच के दौरान क्राइम ब्रांच को वहां विमल पान मसाला के बैग में रखी हुई शराब की दो बोतलें मिलीं।

दूसरे आरोपी चिराग राजपूत के घर पर भी पुलिस ने छापा मारा, जहां एक अलमारी में रखी लगभग 40 शराब की बोतलें बरामद की गईं।

इस मामले में सभी वांछित आरोपियों की तलाश के लिए लुकआउट नोटिस जारी कर दिया गया है। इसके बाद, अब आरोपियों पर दबाव बढ़ाने के लिए, उनके सभी बैंक खातों को सील करने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने ख्याति अस्पताल के वांछित आरोपी के घर और अलग-अलग ठिकानों पर आज छापेमारी की। छापेमारी के दौरान कई स्थानों से शराब बरामद की गई।

अन्य वांछित आरोपियों की तलाश के लिए अलग-अलग टीमें कॉल डिटेल के आधार पर जांच में जुट गई हैं।

इस पूरे मामले में अब शराब बरामद होने के बाद अहमदाबाद क्राइम ब्रांच नई शिकायत दर्ज कर सकती है। अधिकारियों का कहना है कि मामले में आगे की जांच तेज कर दी गई है और आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है।

ख्यातिकांड मामले में अस्पताल के डायरेक्टर कार्तिक पटेल के खिलाफ शिकायत दर्ज होने के बाद से वह भूमिगत हो गया है। आज अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की एक टीम सिंधु भवन रोड स्थित अभिश्री रेजिडेंसी में कार्तिक पटेल के निवास पर जांच के लिए पहुंची। जांच के दौरान, क्राइम ब्रांच को घर में विमल पान मसाला के बैग में रखी शराब की दो बोतलें और पोकर जुआ खेलने के कुछ सिक्के मिले। इसके अलावा, वहां कई गिलास भी पाए गए। घर के दूसरे माले पर एक मिनी थिएटर बनाया गया था, जिसके पास एक बार भी मौजूद था। घर के कई कमरों में सीसीटीवी कैमरे लगे हुए थे, जिनकी निगरानी पहले माले पर स्थित एक कमरे में लगे टीवी से की जाती थी। यह मॉनिटरिंग सिस्टम चालू स्थिति में पाया गया।

इसके साथ ही, घर में एक निजी जिम भी था और परिसर में तीन लक्ज़री कारें खड़ी थीं। क्राइम ब्रांच अब इस मामले से जुड़े अन्य सबूतों को इकट्ठा करने और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए प्रयास तेज कर रही है।

कार्तिक पटेल के घर से शराब और पोकर जुए के सिक्के मिलने के बाद अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने अन्य आरोपी चिराग राजपूत के घर पर भी छापा मारा।

जांच के दौरान, चिराग के घर में एक अलमारी से लगभग 40 शराब की बोतलें बरामद की गईं। पुलिस ने इन बोतलों को कब्जे में लेकर मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

क्राइम ब्रांच अन्य आरोपियों और सबूतों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है और इस प्रकरण से जुड़े हर पहलू की जांच कर रही है।

भय फैलाने वालों को पुलिस ने क़ानून का पाठ पढ़ाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पुलिस ने भेस्तान इलाके में पीसीआर वैन से अपनी कार टक्कर मारने और एक युवक से रंगदारी मांगने वाले दो आरोपियों को उनके इलाके में ले जाकर क़ानून का पाठ पढ़ाया और असामाजिक तत्वों को यह संदेश देने की कोशिश की कि अगर आप क़ानून के दायरे में रहेंगे, तो आप फायदे में रहेंगे। शहर पुलिस ने इलाकों में लोगों को डराने वाले आरोपियों को उनके इलाके में ले जाकर क़ानून का पाठ पढ़ाया और लोगों में डर दूर करने की कोशिश की।

पुलिसवाले को टक्कर मारने वाला आरोपी पकड़ा गया

unn गांव का रहने वाला एक बूटलेगर, जो पहले शराब के मामले में पकड़ा गया था, कुछ दिन पहले पुलिसवाले को अपनी कार से टक्कर मारकर हमला कर चुका था और पुलिस को धमकी दी थी। आरोपी युसुफ, जो पीसीआर वैन से टक्कर मारकर फरार हो गया था, उस जगह पुलिस ने उसे पकड़ने के बाद उसे उसके इलाके में ले जाकर क़ानून का पाठ पढ़ाया और लोगों में डर दूर करने का प्रयास किया।

पुलिसकर्मी के खिलाफ शादी का झांसा देकर डिवोर्सी महिला से दुष्कर्म करने की शिकायत दर्ज की गई है।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नडियाद: खेडा जिला पुलिस में तैनात पुलिसकर्मी के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत दर्ज की गई है। आरोपी पुलिसवाले ने डिवोर्सी महिला से सोशल मीडिया के माध्यम से दोस्ती की और खुद शादीशुदा होने के बावजूद महिला को शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। इस मामले में पीड़िता ने नडियाद पश्चिमी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी पुलिसकर्मी यशपालसिंह झाला को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

खेडा जिले में तैनात आरोपी पुलिसकर्मी यशपालसिंह झाला ने सोशल मीडिया के माध्यम से पीड़िता, जो एक डिवोर्सी महिला है, से दोस्ती की थी। इसके बाद दोनों अक्सर मिलते थे। आरोपी यशपाल सिंह, जो खुद शादीशुदा था, ने महिला को शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और आरोपी की गिरफ्तारी कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

इस बारे में डिप्टी एसपी बी. आर. वाजपेई ने कहा कि महिला ने नडियाद पश्चिमी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, महिला ने अप्रैल माह में नडियाद, खेडा जिले में तैनात पुलिसकर्मी यशपालसिंह झाला से सोशल मीडिया के माध्यम से दोस्ती की थी और दोनों अक्सर मिलते थे। पुलिसकर्मी ने महिला को शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। इस मामले में नडियाद पश्चिमी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

सूरत नगर निगम के गंदे पानी के घोटाले की गंध गांधीनगर तक पहुंच गई, कार्यपालक अभियंता को निलंबित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम को करोड़ों रुपये का चूना लगाने के मामले में यह सामने आया है कि कुछ अधिकारियों ने हजीरा की कंपनी को लाभ पहुंचाने में गहरी भूमिका निभाई थी।जैसे ही सूरत नगर निगम के गंदे पानी के घोटाले की खबर गांधीनगर तक पहुंची, अधिकारियों ने कदम उठाना शुरू कर दिया। इस मामले में सूरत नगर निगम के कार्यपालक अभियंता को रात के समय निलंबित कर दिया गया, जिससे निगम में हलचल मच गई। घोटाले के खुलासे के बाद उन्हें डिग्रेड किया गया और खाता भी सील कर लिया गया। इसके बाद, आज शाम को एक महत्वपूर्ण और चौंकाने वाला कदम उठाया गया।

हजीरा के उद्योग द्वारा टर्शरी ट्रीटमेंट पानी के मूल्य में दोगुना बढ़ोतरी के मामले में घोटाला सामने आया था। इस मामले में कतरगाम विधायक विनोद मोर्डिया ने पूरी घटना की विजिलेंस जांच की मांग की थी। राज्य सरकार की विजिलेंस द्वारा गहन जांच के बाद, आज रात कार्यपालक अभियंता को निलंबित करने का आदेश जारी किया गया है। केतन देसाई कार्यपालक अभियंता थे, और इस प्रस्ताव को आज स्थायी समिति में अतिरिक्त काम के रूप में पेश किया जा सकता है।

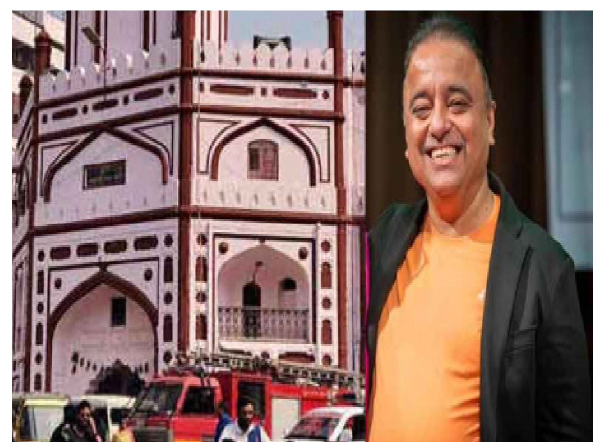

सूरत नगर निगम में कार्यपालक अभियंता बनने के बाद उनकी प्रगति काफी तेज़ी से हुई थी। उन्हें कुछ ही समय में इंचार्ज डिप्टी कमिश्नर का चार्ज सौंपा गया था। इसके बाद, डिप्टी कमिश्नर बनने के बाद वे इंचार्ज एडिशनल सिटी इंजीनियर भी बन गए थे। इसके साथ ही उन्हें नगर निगम के सभी महत्वपूर्ण और लाभकारी विभागों की जिम्मेदारी भी सौंप दी गई थी। इस दौरान, हजीरा के उद्योगों को टर्शरी ट्रीटेड पानी बेचने के लिए एक प्रस्ताव तैयार किया गया था। इसके लिए डेढ़ साल पहले एक सैद्धांतिक निर्णय लिया गया था, और उस समय यह शर्त रखी गई थी कि हजीरा उद्योग के साथ एम.ओ.यू. (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) किया जाए और एम.ओ.यू. होने के बाद ही टेंडर खोले जाएं।

इस परियोजना के लिए नगर निगम की स्पष्ट निर्देशों के बावजूद, एम.ओ.यू. (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) नहीं किए गए, और परियोजना की लागत कई गुना बढ़ गई। जैसे ही घोटाला उजागर हुआ, नगर निगम के कमिश्नर ने केतन देसाई को डिग्रेड करके इंचार्ज एडिशनल सिटी इंजीनियर से फिर से कार्यपालक इंजीनियर बना दिया। इसके बाद फाइल का अध्ययन किया जा रहा था और सूरत-कतरगाम के विधायक ने राज्य सरकार से विजिलेंस जांच की मांग की थी। इस पूरे प्रक्रिया के दौरान, आज रात को केतन देसाई को निलंबित करने का आदेश जारी हुआ, जिसके बाद उन अधिकारियों की स्थिति गंभीर हो गई जो उद्योगों के इशारे पर काम कर रहे थे, और नगर निगम में हलचल मच गई। इस प्रस्ताव को आज स्थायी समिति के समक्ष पेश किए जाने की संभावना बढ़ गई है।

मुंबई से शादी के अवसर पर आई महिला का पर्स छीनने वाला आरोपी गिरफ्तार हुआ।

आरोपी पर 46 मामले दर्ज हैं, जिनमें मारपीट, लूट और स्नैचिंग शामिल हैं। पकड़े गए आरोपी पर 10 अन्य मामले दर्ज हैं।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

महाराष्ट्र से शादी के लिए सूरत आई महिला का पर्स छीनने वाले दो आरोपियों में से एक आरोपी को महिधरपुरा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी केवल एक या दो नहीं, बल्कि 10 मामलों में आरोपी है। वहीं, दूसरा फरार आरोपी शोहैब उर्फ लाल रहीश खान पठान पर सूरत के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में 46 मामलों में आरोप हैं।

ये आरोपी महिलाओं और वृद्धों को टारगेट करते थे और सूरत शहर के विभिन्न इलाकों जैसे सलामतपुरा, पूणा, कापोद्रा, उधना, खटोदरा, महिधरपुरा, लिम्बायत, सचिन और डिंडोली खटोदरा में बाइक पर बैठकर अपराध करते थे। गिरफ्तार आरोपी अनीश भेस्तान का निवासी है और उसके खिलाफ मारपीट और स्नैचिंग के 10 मामले दर्ज हैं। वहीं, फरार आरोपी शोहैब की तलाश सूरत पुलिस कर रही है।

पर्स में तीन लाख रुपये से अधिक की रकम थी, जिसमें सोने के आभूषण और नगदी शामिल थे। डीसीपी पिनाकिन परमारे ने बताया कि महिधरपुरा पुलिस स्टेशन में पर्स स्नैचिंग का मामला दर्ज किया गया था। महिला मुंबई से सूरत शादी के लिए आ रही थी और रेलवे स्टेशन से अपने घर जा रही थी, तभी बाइक पर सवार दो लोगों ने उसका पर्स छीन लिया। पर्स में तीन लाख रुपये से अधिक की संपत्ति थी। घटना के बाद तुरंत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई और कुछ ही घंटों में आरोपी अनीश को गिरफ्तार किया गया। अभी दूसरे आरोपी की तलाश जारी है।

सूरत के पांडेसरा में घर में आग लगने से दिव्यांग युवती की रहस्यमय मौत; केवल खाट जली, बाकी सब कुछ सुरक्षित।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा इलाके में एक घर में आग लगने से एक दिव्यांग युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। हैरानी की बात यह है कि आग केवल खाट तक सीमित रही और घर के बाकी सामान को कोई नुकसान नहीं हुआ।

पुलिस और दमकल विभाग ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पाया कि आग का कारण स्पष्ट नहीं है। खाट पूरी तरह जल चुकी थी, लेकिन आसपास की दीवारें और अन्य सामान सुरक्षित थे।

इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं, और युवती की मौत के पीछे की सच्चाई जानने के लिए, पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल पर मौजूद सबूतों की फोरेंसिक जांच कराई जा रही है।

सूरत के पांडेसरा इलाके में स्थित सत्यनारायण नगर में एक मकान के कमरे में अचानक आग लग गई। इस घटना में खाट पर सो रही 24 वर्षीय दिव्यांग युवती की खाट समेत जलकर मौत हो गई।

आग लगने के दौरान पड़ोसियों ने युवती को बचाने की कोशिश की, लेकिन कमरे के बाहर दो ताले लगे हुए थे। चौंकाने वाली बात यह भी है कि युवती के जलने के समय उसकी मां घर के बाहर बैठी हुई थी।

इस घटना ने पूरे परिवार को गमगीन कर दिया है, क्योंकि यह युवती परिवार की इकलौती बेटी थी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, और घटना के कारणों का पता लगाने के लिए फोरेंसिक टीम को बुलाया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, मूल रूप से उत्तर प्रदेश की रहने वाली 24 वर्षीय अंजलि राकेश तिवारी सूरत के पांडेसरा इलाके में तेरनाम चौकड़ी, बमरौली रोड स्थित सत्यनारायण नगर में अपने परिवार के साथ रहती थी। परिवार में उसकी मां और पिता हैं।

पिता डाइंग मिल में काम करके परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। घटना के समय, पिता काम पर गए हुए थे और मां घर पर मौजूद थीं। बताया गया है कि अंजलि की मां की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है।

इस घटना ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है, और हर संभावित पहलू की पड़ताल की जा रही है।

कुछ महीने पहले अंजलि के दोनों पैर जल गए थे, जिसके कारण उसका सूरत सिविल अस्पताल में इलाज चला। हाल ही में उसे अस्पताल से छुट्टी मिली थी।

अंजलि चल-फिर नहीं सकती थी और ज्यादातर समय एक ही कमरे में रहती थी। घटना की रात भी वह अपने कमरे में थी। उस समय उसके पिता काम पर गए हुए थे, और मां घर के हॉल में मौजूद थीं।

पुलिस अब इस घटना के सभी पहलुओं की गहराई से जांच कर रही है, ताकि इस रहस्यमय मौत के कारणों का पता लगाया जा सके।

अंजलि के कमरे में अचानक आग लग गई। चूंकि वह चल-फिर नहीं सकती थी, इसलिए अपना बचाव नहीं कर पाई और खाट के साथ जलने लगी। जब इस घटना की जानकारी उसकी मां को हुई, तो उन्होंने घर के बाहर निकलकर शोर मचाया। हालांकि, तब तक काफी देर हो चुकी थी। इस दौरान फायर विभाग को भी सूचना दी गई।

फायर विभाग के पहुंचने से पहले ही पड़ोसियों ने आग पर काबू पा लिया था। घटना ने पूरे इलाके को हिला दिया है, और पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

सात में से एक की मौत, तीन जीवन और मौत के बीच झूल रहे

दो बच्चों के पिता की मौत,दो दिनों में 3 लाख का इलाज,परिवार की मदद की गुहार।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में गैस सिलेंडर लीक होने के कारण हुए ब्लास्ट में दो बच्चों के पिता की मौत हो गई। इस हादसे में सात लोग घायल हुए, जिनमें से तीन की हालत गंभीर है और वे जीवन और मौत के बीच झूल रहे हैं। घटना के बाद परिवार ने इलाज के लिए 3 लाख रुपये खर्च किए, जो उनके लिए भारी आर्थिक बोझ बन गया है।

परिवार अब मदद की गुहार लगा रहा है, क्योंकि उनके पास इलाज के लिए और पैसे नहीं हैं। इस घटना ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है, और वे सरकार और समाज से सहायता की अपील कर रहे हैं।

सूरत के फूलपाड़ा क्षेत्र में 20 नवंबर को गैस लीक होने के बाद एक भयंकर ब्लास्ट हुआ, जिसमें सात युवक जलकर घायल हो गए। इनमें से आज एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई है। अभी भी तीन युवक अस्पताल में जीवन और मौत के बीच झूल रहे हैं।

मृतक के परिजनों ने बताया कि इलाज में दो दिन में 3 लाख रुपये से अधिक खर्च हो गए हैं, और अब वे मदद के लिए गुहार लगा रहे हैं। परिवार ने आरोप लगाया है कि इस घटना के बाद कोई भी मदद नहीं मिली, और वे अब सरकार और समाज से सहायता की उम्मीद कर रहे हैं।

सूरत के फूलपाड़ा के अश्वनीकुमार रोड पर स्थित कृष्णा कॉम्प्लेक्स के एक कमरे में सात लोग रहते थे, जो एक कारखाने में काम करते थे। 19 नवंबर की रात को गैस सिलेंडर से गैस लीक होने लगी, जिससे कमरे में गैस का जमाव हो गया।

20 नवंबर की सुबह, आनंद पासवान नामक युवक ने खाना बनाने के लिए चूल्हा जलाने के लिए लाइटर का इस्तेमाल किया। इसी समय गैस लीक होकर एकत्रित हो गई और उसे स्पार्क मिलते ही धमाके के साथ आग लग गई। इस आग में 16 से 29 साल के सात लोग झुलस गए। वे बुरी तरह जलने से बचने के लिए शोर मचाते हुए बाहर भागे। पड़ोसियों ने तुरंत फायरब्रिगेड को सूचना दी और आग पर काबू पाया।